राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 13 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-348 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# प्रयागराज की धरा पर सनातन का उत्सव, संतों का समागम, अध्यात्म और आस्था की डुबकी

## भव्य और दिव्य महाकुंभ आज से

**- इस पावन अवसर पर देश-दुनिया से आए करोड़ों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाएंगे**

प्रयागराज। भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और आस्था का प्रतीक महाकुंभ सोमवार से प्रयागराज में शुरू होगा। हर 12 वर्ष में आयोजित होने वाला यह मेला न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि भारत की पौराणिक परम्पराओं और आध्यात्मिक विरासत का उत्सव है। प्रयागराज, जहां तीन नदियों- गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम होता है, इस दिव्य आयोजन का केंद्र होता है। महाकुंभ के लिए पूरी तरह तैयार है। देश के कोने-कोने से साधु-संतों का यहां पर पहुंचना जारी है। महाकुंभ को लेकर सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अब बस चंद घंटे बाद सुर्योदय के साथ ही आस्था, परंपरा और संस्कृति के संगम का पर्व शुरु हो जाएगा।

संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से शुरू होकर, 26 फरवरी चलेगा। श्रद्धालुओं के साथ-साथ कुंभ में लाखों की संख्या में साधु-संत पहुंचते हैं और उनके लिए भी खास तैयारी की जाती है। इस पावन अवसर पर देश-दुनिया से आए करोड़ों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाएंगे। कुंभ मेले में बाबाओं के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। कोई पेशवाई में अपने अनूठे करतब से अभिभूत कर रहा है तो कोई अपने अनूठे संकल्पों और प्रणों के कारण चर्चा में है।

**26 फरवरी तक चलेगा महाकुंभ**

इस साल महाकुंभ के पहले दिन सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। महाकुंभ हिंदू धर्म का सबसे बड़ा उत्सव मेला होता है। जिसमें दुनिया से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। महाकुंभ मेले का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा। लल्लूराम डॉट कॉम के महाकुंभ महाकवरेज में हम आपको प्रमुख तिथियों के बारे में बता रहे हैं। तो आइए जानते हैं क्या हैं शाही स्नान और अन्य महत्वपूर्ण तिथियां। महाकुंभ 2025 में पहला शाही स्नान पौष शुक्ल पूर्णिमा यानी सोमवार को होगा। स्नान का शुभ मुहूर्त सुबह 5:03 बजे से शुरू होकर 14 जनवरी को रात 3:56 बजे तक रहेगा। इस दिन विशेष स्नान से पापों का नाश और पुण्य की प्राप्ति मानी जाती है।

**महाकुंभ 2025 की प्रमुख तिथियां**

- 13 जनवरी 2025- पौष पूर्णिमा
- 14 जनवरी 2025- मकर संक्रांति
- 29 जनवरी 2025 - मौनी अमावस्या
- 3 फरवरी 2025- वसंत पंचमी
- 4 फरवरी 2025- अचला नवमी
- 12 फरवरी 2025- माघी पूर्णिमा
- 26 फरवरी 2025- महाशिवरात्रि
- 12 हजार सन्यासी बनेंगे नागा साधु

प्रथम स्नान में महाकुंभ में तीन दिन के कठोर तप के बाद अलग-अलग अखाड़ों से 12 हजार नए सन्यासी नागा साधु बनेंगे। इसके लिए जूना, निरंजनी और महानिर्वाणी अखाड़ों ने तैयारी शुरू कर दी है। उक्त कार्यक्रम में सन्यासियों की धर्म ध्वजा के नीचे चोटी काटी जाएगी और फिर शाही स्नान शुरू होगा।

**40 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने का अनुमान**

यूपी सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम के लिए 'महाकुंभ क्षेत्र' को 76वां अस्थायी जिला बनाया है। 40 वर्ग किमी में फैले मेला क्षेत्र में 40 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने का अनुमान है। केंद्र और यूपी सरकार ने इसके लिए 6,382 करोड़ रु. का बजट रखा है। इलाहाबाद का नाम प्रयागराज होने के बाद पहले कुम्भ में जिले के बाहरी हिस्से से संगम तक सात लेयर की सुरक्षा व्यवस्था है।

मेले में 56 थाने, 60 फायर स्टेशन और तीन महिला थाने बनाए गए हैं। 37 हजार पुलिसकर्मी, 14 हजार होमगार्ड सहित 50 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। एनएसजी सहित केंद्रीय एजेंसियां भी तैनात हैं। 2700 सीसीटीवी कैमरा और 340 एआई से लैस कैमरे 24 घंटे मेले की निगरानी करेंगे।

## पहला कॉलम

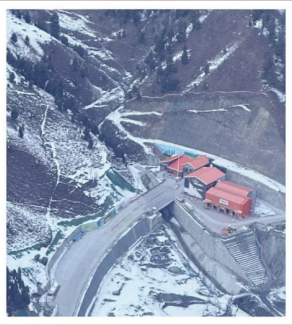

## आज जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पीएम मोदी

**सोनमर्ग में करेंगे जेड-मोड़ टनल का उद्घाटन**

**श्रीनगर।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग का दौरा करेंगे। सुबह करीब 11:45 बजे वह सोनमर्ग टनल (जेड-मोड़ टनल) का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। लगभग 12 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग टनल परियोजना का निर्माण 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। इसमें 6.4 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग मुख्य टनल, एक निकास सुरंग और प्रवेश मार्ग शामिल हैं। समुद्र तल से 8,650 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित यह परियोजना लेह के रास्ते में श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी, भूस्खलन और हिमस्खलन मार्गों से बचाएगी और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लद्दाख क्षेत्र में सुरक्षित और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करेगी।

**साल भर सोनमर्ग आ सकेंगे पर्यटक**

यह परियोजना सोनमर्ग को साल भर घूमने लायक जगह में बदलेगी जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे शीतकालीन पर्यटन और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा मिलेगा। जोजिला टनल, जिसके 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है, के साथ यह रास्ते की लंबाई को 49 किमी से घटाकर 43 किमी कर देगी और गाडियों की गति को 30 किमी/घंटा से बढ़ाकर 70 किमी/घंटा कर देगी, जिससे श्रीनगर घाटी और लद्दाख के बीच निर्बाध एनएचए-1 कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

## सुरक्षाबलों ने 3 नक्सली मार गिराए

**नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादियों से मुठभेड़**

**बीजापुर।**

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में फोर्स ने तीन नक्सलियों को मार गिराया है। घटनास्थल से तीनों के शव के साथ ऑटोमेटिक वेपन बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्चिंग जारी है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। घटना मद्देड़ इलाके के बन्देपारा क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादियों को रविवार सुबह से जवानों ने घेर रखा था। मारे गए नक्सलियों में से कुछडिविजनल कमेटी मेंबर कैडर के बताए जा रहे हैं। इस कैडर के नक्सलियों पर छत्तीसगढ़ में 8 लाख रुपए का इनाम है।

**नक्सलियों ने जवानों पर की फायरिंग**

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि नेशनल पार्क एरिया के जंगल में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों को माओवादियों के कोर इलाके में ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। वहीं जवान मौके पर पहुंचे। जहां नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी।

## खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसान की मौत

**10 महीने से आंदोलन में शामिल था**

पटियाला । हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन 48वें दिन भी जारी है। रविवार को खनौरी बॉर्डर पर 10 महीने से अनशन कर रहे किसान की मौत हो गई। उन्होंने पटियाला के राजिंदरा अस्पताल में अंतिम सांस ली। पिछले दिनों तबीयत बिगडने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक किसान की पहचान फरीदकोट जग्गा सिंह (80) के रूप में हुई है। इनके 5 बेटे और एक बेटी है। आज खनौरी बॉर्डर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव गोदारा में होगा।

# हम एक मजबूत और विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध

## पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर वीडियो जारी कर दी श्रद्धांजलि

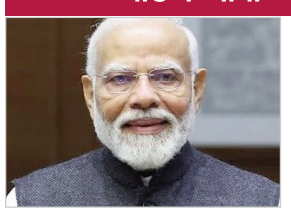

**नई दिल्ली।**

पीएम नरेंद्र मोदी ने युवा दिवस और स्वामी विवेकानंद की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं को हमेशा प्रेरित करते रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह युवा दिमाग में जुनून और उद्देश्य को प्रज्वलित करते रहते हैं। हम एक मजबूत और विकसित भारत के उनके सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को उजागर करने के लिए एक वीडियो क्लिप भी शेयर की। उन्होंने कहा कि यह भारत की युवा शक्ति का दिन है, जो उस महान व्यक्ति को समर्पित है, जिसने ब्रिटिश राज में भारत को नई ऊर्जा दी थी। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि भारत की आकांक्षाएं युवाओं के चरित्र और उनकी प्रतिबद्धता तथा बौद्धिकता पर निर्भर हैं। स्वामी विवेकानंद का मार्गदर्शन भारत के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। वीडियो में पीएम मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के दो संदेश हर भारतीय युवा का हिस्सा होने चाहिए- संस्था और नवाचार। संस्था तब बनती है जब हम अपने विचारों का विस्तार करते हैं और टीम भावना के साथ काम करते हैं। हर युवा को अपनी व्यक्तिगत सफलता को टीम की सफलता में बदलना चाहिए। यह टीम भावना भारत को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे ले जाएगी। स्वामी विवेकानंद की आज जयंती है। राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाने वाला यह दिन युवा पीढ़ी को उनके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ सामाजिक प्रगति के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है।

पीएम मोदी रविवार को दिल्ली में भारत मंडपम में विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 में हिस्सा लेंगे। इसमें मोदी भारत से आए तीन हजार युवाओं के साथ बातचीत करेंगे और सभा को संबोधित भी करेंगे। विकसित भारत युवा नेता संवाद का उद्देश्य पारंपरिक तरीके से राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है। यह पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस के आह्वान के अनुरूप है, जिसमें एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के लिए अपने विचारों को वास्तविकता बनाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का आह्वान किया गया है।

## उद्धव ठाकरे ने 2019 में हमें धोखा दिया- गृह मंत्री अमित शाह

**शिरडी।**

उद्धव ठाकरे धोखा देकर मुख्यमंत्री बने। उद्धव ठाकरे ने 2019 में हमें धोखा दिया था। उन्होंने 2019 में बालासाहेब ठाकरे के विचारों को त्याग दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महा विकास अघाड़ी के प्रमुख नेताओं की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र ने शरद पवार की राजनीति को भी जमीन में दफन कर दिया है। वह शिरडी में भाजपा के राज्य स्तरीय सम्मेलन में बोल रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर कड़ा निशाना साधा। इस बैठक में अमित शाह ने कहा, देवेंद्र फडणवीस दोबारा मुख्यमंत्री बन गए हैं। कई विधायक मंत्री बन गये। असली शिवसेना और असली एनसीपी भी जीत गई। शरद पवार ने छल और कपट की राजनीति की। लोगों ने उन्हें 20 फीट जमीन के नीचे दफनाने का काम किया। उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों को त्याग दिया। लोगों ने उन्हें भी उनकी जगह दिखा दी। लोगों ने स्थिर सत्ता देने का काम किया है। उनका सपना लोकसभा के बाद विधानसभा में जीत हासिल करना था। लेकिन उनका सपना टूट गया। यह हमारी महान विजय है। इस जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है। गृह मंत्री ने आगे कहा, इस देश में विचारधारा की राजनीति चल रही है। लोगों ने परिवारवाद की राजनीति करने वालों को नकार दिया है। अमित शाह ने आगे कहा, महाराष्ट्र के लोगों ने साबित कर दिया है कि वे हिंदू और सनातन विचारधाराओं में विश्वास करते हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। इस साल हरियाणा में हम तीसरी बार जीते।

## ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में जाएंगे एस जयशंकर, शी जिनपिंग भी हो सकते हैं शामिल

**नई दिल्ली।**

राष्ट्रपति चुनाव निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर शिरकत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के शामिल होने की संभावना है।

20 जनवरी का दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसे मार्टिन लूथर किंग जूनियर डे के रुप में मनाया जाएगा। बता दें कि पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप ने कमला हैरिस को हराया था।ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश मंत्री एस जयशंकर जाएंगे। वह अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान कुछ अन्य गणमान्य लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें और दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। इस बार उनकी सरकार में भारतीय मूल के कई लोगों को शामिल किया है। शपथ ग्रहण 20 जनवरी को दोपहर 12 बजे शुरू होगा। इसमें शपथ ग्रहण, परेड और औपचारिक कार्यक्रम शामिल होंगे। यह दिन मार्टिन लूथर किंग जूनियर डे के दिन पड़ रहा है, इस दिन अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश रहता है। 1997 के बाद यह पहली बार है जब उद्घाटन इस महत्वपूर्ण तिथि के साथ हो रहा है, जिससे इस कार्यक्रम का ऐतिहासिक महत्व और भी बढ़ गया है।

## दिल्ली चुनाव में कांग्रेस ने तीसरी गारंटी युवा उड़ान योजना का किया ऐलान

**हर महीने युवाओं को मिलेंगे 8500 रुपए**

**नई दिल्ली।**

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तीसरी गारंटी का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने अपनी इस गारंटी को युवा उड़ान योजना का नाम दिया है, जिसके तहत युवाओं को हर महीने 8500 रुपये मिलेंगे और एक साल की अप्रेंटिसशिप प्रदान की जाएगी। कांग्रेस की इस गारंटी की घोषणा राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट ने की है।

इस योजना का ऐलान करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद की जयंती है। इस मौके पर हम युवाओं के लिए अपनी तीसरी गारंटी का ऐलान करने जा रहे हैं। युवाओं की पीड़ा पूरे देश में है और दिल्ली भी उससे अछूता नहीं है। बीजेपी और आप दोनों ही युवाओं की नब्ज तक नहीं पूछते। पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में केवल आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला और इसमें दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों सरकारें शामिल हैं। किसी ने भी दिल्ली की सुध नहीं ली।

**अपने वादे पूरे करती है कांग्रेस**

उन्होंने ये भी कहा कि कांग्रेस अपने वादों को पूरा करना अपनी जिम्मेदारी समझती है। तू तू मैं मैं की राजनीति खत्म कर हम रचनात्मक राजनीति करेंगे। अगर कांग्रेस जीतती है तो हम खासतौर पर यूथ पर फोकस करेंगे। अगर हम सरकार आती है तो दिल्ली में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को एक साल की अप्रेंटिसशिप के तहत 8500 रुपये हर महीने देंगे। और युवाओं को इसी दौरान उनकी फील्ड में भी काम दिलाएंगे। दिल्ली में नाम पुकारने की राजनीति देखी जा रही है और लोगों को नए विकल्प की जरूरत है। पायलट ने इंडिया ब्लॉक में दरार पर बोलते हुए कहा कि हर राज्य की अपनी राजनीति और परिदृश्य होते हैं। पंजाब में आप और कांग्रेस दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। इंडिया ब्लॉक मजबूत है। हर राज्य इकाई की स्थिति अलग है। लोकसभा चुनाव के बीच लोकतंत्र बचाने के लिए इंडिया ब्लॉक बनाया गया था।

## हैंडशेक के 3 मीटर करीब आकर दूर हुए दोनों सैटेलाइट

# इस्रो का डॉकिंग मिशन ट्रॉयल सफल

**नई दिल्ली।**

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इस्रो) ने अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। रविवार तड़के स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पाडेक्स) मिशन के तहत, दो सैटेलाइट्स एडीएक्स01 (चेसर) और एसडीएक्स02 (टारगेट) के बीच सफलतापूर्वक 15 मीटर की दूरी तक ट्रायल पूरा हुआ। इसके बाद दोनों सैटेलाइट्स एक-दूसरे से मात्र 3 मीटर की दूरी तक पहुंचे। इस्रो ने कहा कि सैटेलाइट्स ने पहले 15 मीटर और फिर 3 मीटर तक पहुंचने का ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही अब अंतरिक्ष यानों को सुरक्षित दूरी पर वापस ले जाया जा रहा है। डॉकिंग प्रक्रिया आगे के डेटा विश्लेषण के बाद पूरी कर ली जाएगी। यहां बताते चलें कि इससे पहले इसरो का अपडेट तब आया था, जबकि 10 जनवरी को इन सैटेलाइट्स के बीच की दूरी 230 मीटर थी। यह मिशन अंतरिक्ष में डॉकिंग के उद्देश्य से किया गया है, जो भारत के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी के साथ एजेंसी अब भारतीय ग्राउंड स्टेशनों का वेट कर रही है, ताकि वे वास्तविक डॉकिंग प्रयोग के लिए सिग्नल प्राप्त कर सकें यह प्रयोग पहले 7 जनवरी को निर्धारित था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसे 9 जनवरी तक स्थगित कर दिया गया था। अंतत- डॉकिंग प्रक्रिया का ट्रायल सफल रहा और सैटेलाइट्स 3 मीटर की दूरी पर पहुंचने के बाद, उन्हें सुरक्षित दूरी पर वापस ले जाया गया। इस्रो अब ग्राउंड स्टेशनों से सिग्नल प्राप्त कर, वास्तविक डॉकिंग प्रक्रिया को अंजाम देगा। गौरतलब है कि पहले यह ट्रायल 7 जनवरी को होना था, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे 9 जनवरी तक स्थगित किया गया था और इसके बाद 12 जनवरी रविवार तड़के इसे पूरा कर लिया गया।

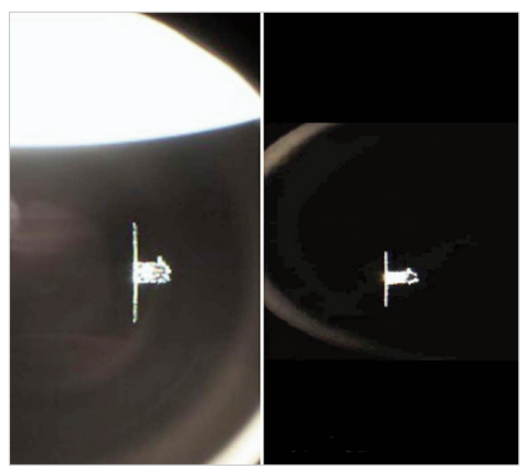

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# महाकुंभ : दुनिया देखेगी दिव्य और भव्य आयोजन

**कुंभ का आयोजन हर 12 साल में भारत के 4 धार्मिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में होता है। दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े धार्मिक आयोजन कुंभ का इतिहास सदियों पुराना है। मुगल काल में भी अकबर के समय इस आयोजन के लिए खास इंतेजामात किए जाते थे। इतिहासकार डॉ हेरम्ब चतुर्वेदी अपनी किताब कुंभ-ऐतिसाहिक वांग्मय में मुगल काल में हुए कुंभ के आयोजन का जिक्र किया है। उनके अनुसार बादशाह अकबर के शासनकाल में साल 1589 में कुंभ के रखरखाव पर 19 हजार से ज्यादा मुगलियां सिक्के खर्च किए गए थे। इसी साल इस आयोजन से 41 हजार सिक्कों की आमदनी हुई थी।**

(लेखक- -- मुस्ताअली बोहरा)

-- सांस्कृतिक एकता और आस्था का प्रतीक

महाकुंभ मेला संस्कृति, धर्म, परंपराओं, सांस्कृतिक एकता और आस्था का प्रतीक है। महाकुंभ का पहला ऐतिहासिक उल्लेख चीनी यात्री ह्वेनसांग के यात्रा वृतांतों में मिलता है। महाकुंभ मेले को यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है। यह आयोजन भारत की विविधता, आस्था और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पेश करता है। मुगल काल के दौरान बादशाह अकबर के ज़माने में भी महाकुंभ के दौरान खास इंतेजामात किए जाते थे। महाकुंभ मेला हर 12 साल में एक बार चार अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाता है, हरिद्वार, प्रयागराज (इलाहाबाद), उज्जैन और नासिक। वर्ष 2025 का महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित होने वाला है, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों का संगम होता है। महाकुंभ मेले का इतिहास हजारों साल पुराना है। यह मेला वैदिक काल से चला आ रहा है, जब देवताओं और असुरों के बीच समुद्र मंथन हुआ था। समुद्र मंथन से अमृत कलश निकला जिसे पाने के लिए संघर्ष हुआ। इस संघर्ष में अमृत की कुछ बूंदें चार स्थानों पर गिरीं, हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक। यही स्थान महाकुंभ मेले के आयोजन के केंद्र बन गए। महाकुंभ मेला तब आयोजित किया जाता है जब सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रह विशेष खगोलीय स्थिति में होते हैं। इस विशेष समय पर त्रिवेणी संगम में स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाकुंभ, कुंभ और अर्धकुंभ के बारे में भी जानना जरूरी है। कुंभ मेला हर तीन साल में एक बार आयोजित होता है। अर्ध कुंभ मेला छ साल में एक बार और पूर्ण कुंभ मेला 12 साल में एक बार आयोजित किया जाता है। 12 कुंभ मेला पूर्ण होने पर एक महाकुंभ मेले का आयोजन होता है। इससे पहले महाकुंभ प्रयागराज में वर्ष 2013 में आयोजित हुआ था।

प्रयागराज में महाकुंभ मेला 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। प्रयागराज को तीर्थराज के नाम से भी जाना जाता है। प्रयागराज महाकुंभ और भी खास होगा क्योंकि यह 4000 हेक्टेयर में फैला हुआ है। प्रयागराज में 2019 कुंभ मेले में क्षेत्रफल 3200 हेक्टेयर था जो 2025 में बढ़ गया है। खास बात ये है कि महाकुंभ इतना बड़ा आयोजन है कि अंतरिक्ष से भी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखा जा सकता है। इस कुंभ मेले में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। महाकुंभ में किन्नर अखाड़े के अनुयायी भी खास आकर्षण हैं। इसके अलावा दांडी संन्यासी, अखाड़ों के महामंडलेश्वर, योगी और वैष्णव संत भी महाकुंभ में शामिल हो रहे हैं। कल्पवासी पूजा एक बहुत ही अनोखा समारोह है जिसमें कल्पवासी पवित्र भजन गाते हैं और रेत में धूनी या अगरबत्ती जलाते हैं। महाकुंभ में 13 अखाड़े भाग ले रहे हैं और उनके करीब 15 लाख अनुयायी कुंभ मेला मैदान में तंबुओं में डेरा डाल चुके हैं। महाकुंभ में अक्षयवट वृक्ष भी आस्था का केन्द्र बना हुआ है। ये एक बहुत पुराना अंजीर का पेड़ है जो प्रयागराज का मुख्य आकर्षण भी है। यह वृक्ष हिंदुओं के लिए अत्यंत पवित्र वृक्ष है और इसका उल्लेख हिंदू धर्मग्रंथों में भी मिलता है। ऋषि भारद्वाज का आश्रम भी एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण हैं। इसके अलावा संगम स्थल, संकटमोचन हनुमान मंदिर, वेणी माधव मंदिर, तक्षकेश्वर नाथ मंदिर, शिवकुटी, नारायण आश्रम, पत्थर गिरजाघर, प्रयागराज किला, शंकर विमान मंडपम, ललितादेवी मंदिर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, गंगा पुस्तकालय, दशाश्वमेध मंदिर, श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर, नागवासुकी मंदिर, अलोपी देवी मंदिर, खुसरोबाग, कल्याणी देवी, काली बाड़ी, मिंटो पार्क, सार्वजनिक पुस्तकालय, आनंद भवन और अल्फ्रेड पार्क भी यहां आने वाले भक्तों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र होते हैं। महाकुंभ मेला 2025 के लोगो पर टैगलाइन सर्वसिद्धिप्रद कुंभ है।

कुंभ का आयोजन हर 12 साल में भारत के 4 धार्मिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में होता है। दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े धार्मिक आयोजन कुंभ का इतिहास सदियों पुराना है। मुगल काल में भी अकबर के समय इस आयोजन के लिए खास इंतेजामात किए जाते थे। इतिहासकार डॉ हेरम्ब चतुर्वेदी अपनी किताब कुंभ-ऐतिसाहिक वांग्मय में मुगल काल में हुए कुंभ के आयोजन का जिक्र किया है। उनके अनुसार बादशाह अकबर के शासनकाल में साल 1589 में कुंभ के रखरखाव पर 19 हजार से ज्यादा मुगलियां सिक्के खर्च किए गए थे। इसी साल इस आयोजन से 41 हजार सिक्कों की आमदनी हुई थी। बादशाह अकबर ने कुंभ मेले की व्यवस्था की देखरेख के लिए दो अफसर भी नियुक्त किए थे। एक अफसर को मीर ए बहर कहा जाता था और दूसरे अफसर को मुस्द्दी कहा जाता था। इन अफसरों का काम भक्तों के लिए बुनियादी सहुलियतें मुहैया कराना, कुंभ के दौरान साफ सफाई करवाना, घाटों की साफ सफाई और आने वाले लोगों को सुरक्षा उपलब्ध करवाना था। यहां ये बताना लाजमी होगा कि इस बार भी महाकुंभ से सरकार को खासी आमदनी होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव को लेकर बड़ा दावा किया है। सीएम ने कहा कि कोई पर्यटक या श्रद्धालु प्रदेश में आता है तो ट्रेन, बस, टैक्सी या प्लेन का उपयोग करता है। वह होटल, टेंट या धर्मशाला में रुकता है। होटल, रेस्टोरेंट या ढाबे पर खाना खाता है। कुछ खरीदारी भी करता है। इस तरह एक व्यक्ति औसतन 5000 रुपये खर्च करता है। महाकुंभ मेला में 40 करोड़ लोगों के आने का अनुमान है। योगी ने इस आधार पर कहा कि यह आयोजन 2 लाख करोड़ का योगदान देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में देगा।

ये तो सभी जानते हैं कि चाहे सभी नदियों का कहीं ना कहीं संगम होता है। इन सब में त्रिवेणी संगम का खासा महत्व है। त्रिवेणी संगम में तीन नदियां गंगा, जमुना और सरस्वती आपस में मिलती हैं। इन तीनों नदियों का मिलन प्रयागराज के संगम में होता है, लिहाजा प्रयागराज का तीर्थस्थल के रूप में विशेष महत्व है। हालांकि प्रयागराज के संगम में गंगा और यमुना नदियां अलग दिखती हैं लेकिन सरस्वती अलग नहीं दिखती। वैसे सरस्वती नदी में भी उसमें मिली हुई होती है, सरस्वती को अदृश्य माना गया है इसलिए इसे त्रिवेणी कहा गया है। इसी तरह महाकुंभ, कुंभ और अर्धकुंभ आदि में साधु संत स्नान करते हैं। इनमें से कुछ विशेष तिथियों में शाही स्नान होते हैं। महाकुंभ और कुंभ के दौरान ग्रह और नक्षत्रों की विशेष या शुभ स्थिति पर किए जाने वाले स्नान शाही स्नान कहलाते हैं। शाही स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है ऐसी मान्यता है।

महाकुंभ में अखाड़े आकर्षण का प्रमुख केंद्र होते हैं। इस दौरान अखाड़ों का पेशवाई और नगरप्रवेश होता है। अखाड़ों की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने की थी। अभी कुल 13 अखाड़े हैं, जिन्हें तीन कैटेगरी शैव, वैष्णव और उदासीन में बांटा गया है। इन अखाड़ों के अंतर्गत कई उप-अखाड़े हैं। शैव अखाड़े में शैव संप्रदाय के कुल सात अखाड़े हैं। इनमें जूना, अग्नि, आव्हान, निरंजनी, आनंद, महानिर्वाणी और अटल अखाड़ा है। इनके अनुयायी भगवान शिव की पूजा करते हैं। वैष्णव अखाड़े में वैष्णव संप्रदाय के तीन अखाड़े हैं, जो भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा करते हैं। वैष्णवों में वैरागी, उदासीन, रामानंद अखाड़े हैं। उदासीन संप्रदाय के भी तीन अखाड़े हैं, इस अखाड़े की अनुयायी श्ॐश् की पूजा करते हैं। इनमें श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा, श्री पंचायती अखाड़ा और श्री निर्मल पंचायती अखाड़ा शामिल है। बड़ा उदासी संप्रदाय सिख-साधुओं का एक सम्प्रदाय है। इसके संस्थापक गुरू नानक जी के पुत्र श्रीचंद थे। अखाड़ों के इतिहास से पता चलता है कि निर्मोही अखाड़े के साथ ही निर्वाणी और दिगंबर अखाड़ों का भी गठन किया गया था। इन अखाड़ों के गठन का श्रेय स्वामी बालानंदाचार्य को दिया जाता है। वह रामनंदीय संप्रदाय के शीर्ष आचार्य थे।

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा को शैव संप्रदाय का सबसे बड़ा अखाड़ा माना गया है। इसकी स्थापना उत्तराखंड के कर्णप्रयाग में 1145 में हुई थी। इस अखाड़े के इष्ट देव शिव और रुद्रावतार दत्तात्रेय हैं, इसका मुख्यालय वाराणसी में हैं। नागा साधुओं की सबसे ज्यादा तादाद इसी अखाड़े में है, इसमें लगभग पांच लाख नागा साधु और महामंडलेश्वर संन्यासी हैं। इस अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज हैं और अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरिगिरी हैं। जूना अखाड़े की पेशवाई में स्वर्ण रथ और हाथी भी नजर आते हैं। कुल मिलाकर, 6 हजार करोड़ से ज्यादा के खर्च पर हो रहे इस दिव्य और भव्य महाकुंभ को पूरी दुनिया देखेगी।

संपादकीय

## सोशल मीडिया निभाये जवाबदेही

निस्संदेह, डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला-बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर विषय है और गंभीरता के साथ चुनौती का सामना करने की जरूरत बताता है।

## खुशियों का संदेशवाहक पर्व है लोहड़ी

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(लोहड़ी पर विशेष)

उत्तर भारत में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में खासतौर से पंजाबी समुदाय में तो इस पर्व पर एक अलग ही उत्साह देखा जाता है। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है। जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं।

लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया। गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा। लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकड़ियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकड़ियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकड़ियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं। लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को 'ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

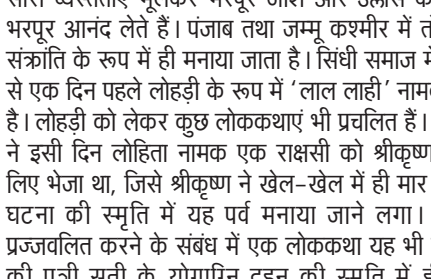


## श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्विक नहीं होते। शुद्ध सत्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

विचार मंथन

## 269 शेल कंपनियों ने विदेश में भेजे 12000 करोड़, ईडी की कार्रवाई में खुलासा

(लेखक- सनत जैन )

देश की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी बनाने और काले धन की रोकथाम के लिए नोटबंदी जैसी कठोर नीतियां भारत में लागू की गईं। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय को विशेष अधिकार दिए गए। इसके बावजूद काले धन के हजारों करोड़ों रुपए सेल कंपनियों के जरिए कानूनों को चकमा देने वाले नए-नए तरीके अपना कर काले धन को विदेश भेजा और वहां से सफेद धन भारत में वापस ले आए। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 12000 करोड़ रुपए के काले धन के अवैध लेन-देन के रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस घोटाले में 269 शेल कंपनियां और 12 फर्जी पार्टनरशिप फर्म्स का इस्तेमाल कर काले धन को बड़े पैमाने पर विदेश भेजा जा रहा था। बाद में इसी धन को वापस भारत भी लाया जा रहा था। घोटाले की जानकारी ठाणे पुलिस को एक साइबर फ्रॉड की जांच के दौरान लगी। जांच से पता चला कि इस रैकेट का मास्टरमाइंड जितेंद्र पांडे था। जो एक बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत था। पांडे ने काले धन को विदेश भेजने के लिए 269 शेल कंपनियां बनाई थीं। यह कंपनियां धन को हांगकांग, सिंगापुर और थाईलैंड स्थित 12 फर्जी पार्टनरशिप फर्म्स को भेजती थीं। इस घोटाले में कई बैंक अधिकारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स शामिल पाए गए हैं। शेल कंपनियों द्वारा धन भेजने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते थे। जांच में यह खुलासा हुआ है, यह धन विदेशी व्यापार या लॉजिस्टिक खर्च के रूप में विदेश भेजा जा रहा है। इस मामले को ईड़ी को ट्रांसफर किया गया था। ईडी ने इस मामले में मुंबई, ठाणे, वाराणसी और पटना में छापेमारी की। छापे में बड़ी मात्रा में नकदी, जेवरात और फर्जी दस्तावेज जब्त किए गए। इस छापे के बाद सेल कंपनियों द्वारा बैंक की मिली भगत से किस तरह से गड़बड़ी हुई है, इसको उजागर किया गया। ईडी द्वारा 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसी को संदेह है, कि इस घोटाले का दायरा बहुत बड़ा हो सकता है। आने वाले समय में कई और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

जो गड़बड़ी उजागर हुई है वह इस बात का सबूत है, कि आर्थिक घोटाले के अपराधी तंत्र मे सरकारी नीतियों और नियमों के अंतर्गत किस तरह से फायदा उठाकर, काले धन का अवैध कारोबार किया जाता है। ईडी और पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई वर्षों से चल रहे इस अवैध गोरखधंधे के बड़े रैकेट का खुलासा किया है। सरकार और जांच एजेंसियों को ऐसे घोटालों पर लगाम लगाने के लिए अधिक तकनीकी और प्रशासनिक सतर्कता की आवश्यकता है। ईड़ी ने जो घोटाला उजागर किया है, उसमें बैंक के अधिकारी, चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा काले धन को सफेद करने वाला गिरोह किस तरह से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हजारों करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करते हैं यह उजागर हुआ है। ऐसे मामलों में कहीं ना कहीं राजनीतिक संरक्षण होता है, जिस कारण इतने बड़े-बड़े घोटाले सामने आने के बावजूद उन्हें दबा दिया जाता है। भारत में जब नोटबंदी लागू की गई थी उसके बाद से यह धंधा सेल कंपनियों तथा फर्जी बिलिंग के माध्यम से देश के काले धन को बड़े पैमाने पर विदेशों में भेजा जाता है। इसके लिए हवाला कारोबार भी बड़े पैमाने पर होता है। फर्जी बिलिंग के माध्यम से यह खेल पिछले कई वर्षों से राजनीतिक संरक्षण के चलते बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसके आरोप देश की एक सबसे बड़ी कंपनी के ऊपर भी लगते रहे हैं, लेकिन जांच नहीं होने से अभी भी इस तरीके की धोखाधड़ी बड़े पैमाने पर चल रही है।

ठाणे पुलिस ने साइबर क्राइम के इस मामले की जांच शुरू की थी। बाद में इसमें ईड़ी शामिल हुई है। इसकी जांच में सेल कंपनियों के माध्यम से जो आर्थिक गड़बड़ी की गई है यह सभी छोटी मछलियां हैं जो पकड़ में आ गई बड़ी-बड़ी मछलियों पर आज दिन तक कोई कार्यवाही प्रमाण होने के बाद भी नहीं हुई है। यह भी कहा जाता है कि सरकार कानून और नियम बनाते समय इस बात का ध्यान रखती है कि अपने चहेते लोगों को नियम कानून का उल्लंघन करने और अवैध काम करने के लिए एक गुप्त रास्ता तैयार किया जाए। इसी गुप्त रास्ते के सहारे सेल कंपनियां बनाकर हजारों करोड रुपए का अवैध लेन-देन किया जाता है। काले धन को सफेद धन बना दिया जाता है। इसमें बड़े-बड़े उद्योगपति, राजनेता और प्रशासकीय अधिकारी शामिल रहते हैं। कार्यवाही के नाम पर छोटी मछलियों पर कार्रवाई हो जाती है। यदि सही तरीके से जांच हो तो शेल कंपनियों के माध्यम से जो करोड़ों रुपए के घोटाले हुए हैं उसका पता आसानी से लगाया जा सकता है। सारी दुनिया के देशों में इस समय ऑनलाइन ट्रांजैक्शन हो रहे हैं। इसकी जानाकरी सरकार को आसानी से सुलभ है। इसके बाद भी यदि यह कारोबार हो रहा है तो इसका एक ही मतलब है कि इस अवैध कारोबार में कहीं ना कहीं सरकार का संरक्षण है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## एफपीआई ने जनवरी में अब तक शेयर बाजार से 22,194 करोड़ निकाले

**नई दिल्ली ।** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने भारतीय शेयर बाजारों से 22,194 करोड़ रुपये की निकासी की है। यह निकासी दिसंबर माह के 15,446 करोड़ रुपये के निवेश के बाद आई है। विदेशी निवेशकों का एफपीआई बिकवाली के पीछे कुछ कारकों का इसमें जिम्मेदार माना जा रहा है। कंपनियों के तिमाही नतीजे कमजोर रहने, डॉलर में मजबूती, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में शुल्क युद्ध तेज होने और साथ ही भारतीय बाजारों में असमंजस के कारण इस बिकवाली का मुख्य कारण भी माना जा रहा है। भारतीय रुपये के निचले स्तर अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और भारतीय शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के कारण भी विदेशी निवेशकों ने अपना निवेश घटाया है। अनुसंचारित आंकड़ों के अनुसार इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 22,194 करोड़ रुपये निकाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि डॉलर इंडेक्स में बढ़ोतरी, 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल और अन्य कारकों के कारण निवेशक उभरते बाजारों से निकासी कर रहे हैं। बीते साल उन्होंने भारतीय शेयरों में सिर्फ 427 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। वहीं 2023 में उन्होंने 1.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था।

## ओपीजी मोबिलिटी की 400 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

**जुटाये गए धन का उपयोग कंपनी पोर्टफोलियो और नेटवर्क का विस्तार करने के लिए करेगी**

**नई दिल्ली ।** देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग के साथ ईवी विनिर्माता ओपीजी मोबिलिटी ने अपनी वृद्धि योजनाओं को पूरा करने के लिए अगले 18 से 24 माह में 400 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह धन उनके पोर्टफोलियो और नेटवर्क का विस्तार करने के लिए उपयोग किया जाएगा। ओपीजी मोबिलिटी की तरफ से एक बड़ा कदम उठाते हुए अे धिकारी ने बताया कि कंपनी फेराटो ब्रांड के तहत दो नए इलेक्ट्रिक स्कूटर और एक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लॉन्च करने की योजना बना रही है। कंपनी का तिपहिया कारोबार ओटीटीओपीजी ब्रांड के तहत रहेगा। इस साल ओपीजी मोबिलिटी ने इलेक्ट्रिक यात्री खंड में उतरने का निर्णय लिया है और कंपनी देशभर में अपने बिक्री और सेवा नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रही है। अधिकारी ने बताया कि ये निवेशकों के लिए कोई जोखिम नहीं होगा। पूंजी जुटाने को लेकर अे धिकारी ने कहा कि कंपनी 18-24 माह में 400 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रख रही है। निवेशकों को एक मजबूत उत्पाद वितरण और सेवा नेटवर्क देना है। हमारा लक्ष्य निजी इक्विटी प्राप्त करना है, चाहे वह रणनीतिक निवेशक हो या गैर-रणनीतिक निवेशक। फिर हम आगे बढ़ेंगे और दीर्घावधि में सफल होंगे।

## इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था में थोड़ी कमजोरी संभावितः आईएमएफ

**- चीन में मुद्रास्फीति और मांग की चुनौतियों का सामना करना भी आईएमएफ के लिए हो सकता है मुश्किल**

**मुंबई ।** अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने स्वीकार किया कि भले ही दुनियाभर में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहेगी, लेकिन 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था में थोड़ी कमजोरी संभावित है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बनी रहेगी, खासकर अमेरिका की व्यापार नीति के चलते। जॉर्जीवा ने उम्मीद जताई है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2025 में थोड़ी कमजोर रहेगी। उन्होंने बताया कि भारत के अलावा चीन में मुद्रास्फीति और मांग की चुनौतियों का सामना करना भी आईएमएफ के लिए मुश्किल हो सकता है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन, कनाडा और मैक्सिको पर शुल्क लगाने की योजना की घोषणा का माध्यम उचित नहीं माना, कारण रखते हुए कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को और अधिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है। जॉर्जीवा ने आगे कहा कि अमेरिका के नीतिगत कदम, खासकर शुल्क और कर वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण हैं और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

# सोने के आभूषणों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ा: जीजेईपीसी

**- हीरे के निर्यात में 10 प्रतिशत की गिरावट**

**कोलकाता ।**

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सोने के आभूषणों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ गया है, जबकि हीरे के निर्यात में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। इसमें अमेरिका को हीरे के निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई गई है। चीन की सुस्त मांग की वजह से हीरे के निर्यात में चिंता बनी हुई है, लेकिन अमेरिका में त्योहार के दौरान मांग में वृद्धि की संकेत मिल रही है। जीजेईपीसी के अधिकारियों ने इस संदर्भ में उम्मीद जताते हुए कहा कि उनका मानना है कि अब बुरा समय निकल गया है और आगामी वर्षों में मद्देनजर 10-15 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। इसके साथ ही जीजेईपीसी ने वैश्विक जेनेरिक प्रोत्साहन पर भी 150 करोड़ रुपये का निवेश किया है। आभूषण उद्योग के विकास और अमेरिका की मांग में सुधार की उम्मीद को ध्यान में रखते हुए जीजेईपीसी ने पश्चिम बंगाल के सिंगूर को एक वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की योजना बताई है। यह योजना स्थानीय कारीगरी विरासत को बढ़ाने और कई रोजगार के अवसर प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। सिंगूर के विकास में हुगली जिले के सुव्यवे स्थित स्थान का भी अहम योगदान है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग-2 और कोलकाता हवाई अड्डे के निकट है। इस विकास योजना से अधिक लोगों को रोजगार का अवसर मिलने की उम्मीद है और स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा प्राप्त होगा।

## डी-मार्ट का दिसंबर तिमाही में मुनाफा बढ़कर 723.5 करोड़ रुपए हुआ

**नई दिल्ली ।** खुदरा स्टोर श्रंखला डी-मार्ट को संचालित करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्केट्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुनाफा 4.8 प्रतिशत बढ़कर 723.54 करोड़ रुपये हो गया। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 690.41 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 17.68 प्रतिशत बढ़कर 15,972.55 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,572.47 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि तीसरी तिमाही में मुनाफा मार्जिन 4.5 प्रतिशत रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5.1 प्रतिशत था। कंपनी का कुल खर्च अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में 18.52 प्रतिशत बढ़कर 15,001.64 करोड़ रुपये रहा। एवेन्यू सुपरमार्ट्स की कुल आमदनी समीक्षाधीन अवधि में 17.57 प्रतिशत बढ़कर 15,996.69 करोड़ रुपये हो गई।

## आगामी बजट में बायोगैस उत्पादन पर कॉरपोरेट कर की छूट चाहता है आईबीए

**- निवेश को बढ़ावा मिलेगा और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित करेगा।**

**नई दिल्ली ।** भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने वित्त मंत्रालय से आगामी बजट में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन के लिए पूरी तरह कॉरपोरेट कर की छूट देने की मांग की है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित करेगा। आईबीए ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखकर इस मांग को मुख्य किया है। उद्योग निकाय ने कहा है कि सीबीजी उत्पादकों को पूर्ण कर राहत दी जानी चाहिए। आईबीए के अनुसार देश में कुल 100 सीबीजी संयंत्र चालू हैं और कुल सीबीजी की बिक्री लगभग 1,200 करोड़ रुपये तक पहुंची है। इसके बाद भी कर माफ करने के बाद सरकार को करीब 100 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इस मामले में कर छूट से सीबीजी उत्पादकों को अपने उत्पादों को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बेचने में मदद मिलेगी। आईबीए ने बताया कि इस कदम से भारत अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को हासिल कर सकेगा और निजी निवेश प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इसके अलावा, बायोगैस के उत्पादन में कृषि अवशेषों का उपयोग बढ़ाएगा और प्रदूषण कम करने में मदद करेगा।

# सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 1.85 लाख करोड़ घटा

**- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही**

**मुंबई ।**

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,85,952.31 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई है। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,844.2 अंक नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 573.25 अंक के नुकसान में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और शीर्ष 10 की सूची में हाल में शामिल हुई एचसीएल टेक्नोलॉजीज की बाजार हैसियत बढ़ गई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 70,479.23 करोड़ रुपये घटकर 12,67,440.61 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 46,481 करोड़ रुपये घटकर 5,56,583.44 करोड़ रुपये, एसबीआई की बाजार हैसियत 44,935.46 करोड़ रुपये घटकर 6,63,233.14 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,179.13 करोड़ रुपये घटकर 16,81,194.35 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 11,877.49 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 8,81,501.01 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 60,168.79 करोड़ रुपये बढ़कर 15,43,313.32 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आईटी सेवा कंपनी टीसीएस का दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 11.95 प्रतिशत बढ़कर 12,380 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इसके बाद शुक्रवार को कंपनी का शेयर छह प्रतिशत चढ़ गया।एचसीएल टेक का बाजार मूल्यांकन 13,120.58 करोड़ रुपये बढ़कर 5,41,539.01 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 11,792.44 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 8,16,626.78 करोड़ रुपये रहा। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 8,999.41 करोड़ रुपये बढ़कर 9,19,933.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 8,564.26 करोड़ रुपये बढ़कर 5,73,758.44 करोड़ रुपये रही।सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एचसीएल टेक का स्थान रहा।

# शिकॉगो एक्सचेंज में मजबूती से तेल-तिलहन की कीमतें सुधार के साथ बंद

**- सरसों की मंडियों में आवक घट रही है जबकि सोयाबीन की मांग निरंतर बढ़ रही है**

**नई दिल्ली ।**

शिकागो एक्सचेंज की मजबूती ने बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहनों के दामों में सुधार की ओर बढ़ावा किया। इस दौरान मूंगफली तेल को छोड़कर सरसों, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन, मूंगफली तिलहन और बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों के मुताबिक सरसों की मंडियों में आवक घट रही है जबकि सोयाबीन की मांग निरंतर बढ़ रही है। सरसों का जो स्टॉक है, वह सहकारी संस्थाओं के पास है जो इसकी बिकवाली में संतुलन बनाए रख रहे हैं। सोयाबीन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) के दामों में भी सुधार दिखाई दिया। मूंगफली खल के भाव मामूली सुधार के साथ बंद हुए, जबकि मूंगफली तेल के दाम पर निर्यात की कमजोर मांग के कारण कोई विशेष बदलाव नहीं आया। विदेशों में पाम और पामोलीन की कीमतों में गिरावट होने के बावजूद, तेल की कीमतों में सुधार देखने को मिला। कपास की सीड के दामों में भी थोड़ी उलटाव दिखाई दी, जिसे बीते हफ्ते सीसीआई ने बिनौला सीड की बिक्री रोककर दिखाया।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 125 रुपये सुधार के साथ 6,650-6,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 200 रुपये की बढ़त के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,340-2,440 रुपये और 2,340-2,465 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 35-35 रुपये की बढ़त के साथ क्रमशः 4,335-4,385 रुपये और 4,035-4,135 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 650 रुपये, 400 रुपये और 650 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 13,750 रुपये, 13,350 रुपये और 9,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार आया। मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 5,825-6,150 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 14,000 रुपये और 2,125-2,425 रुपये प्रति टिन पर अपरिवर्तित बंद हुए। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 100 रुपये सुधरकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये की बढ़त के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये की तेजी के साथ 13,300 रुपये प्रति

## नई इलेक्ट्रिक एसयूवी जी-क्लास ईक्यूजी 580 लॉन्च

**नई दिल्ली।**

भारत में मर्सिडीज-बेंज ने नई इलेक्ट्रिक एसयूवी जी-क्लास ईक्यूजी 580 को लॉन्च किया है। यह कंपनी की लग्जरी इलेक्ट्रिक गाड़ियों के सेगमेंट में एक नई दिशा को चिह्नित करती है। इस अत्याधुनिक एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत 3 करोड़ रुपये है। इस वाहन में 116 केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जो चार इलेक्ट्रिक मोटरों से जुड़ी हुई है और यह 587 पीएस की पावर और 1,164 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करती है। इस दमदार पावर के साथ, ईक्यूजी 580 महज 4.7 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की गति पकड़ सकती है। कंपनी का दावा है कि इसकी बैटरी फुल चार्ज होने पर 473 किमी तक की रेंज प्रदान करती है, जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाती है। इसके अलावा, इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को 32 मिनट में 10 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है, जो इसके फास्ट-चार्जिंग क्षमता को दर्शाता है। ईक्यूजी 580 में प्रीमियम सुविधाओं का भरपूर ध्यान रखा गया है। भारत में इसे पेश किया गया है और इसे 2025 में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में भी दिखाया जाएगा। यह मर्सिडीज-बेंज के इलेक्ट्रिक वाहनों की नई दिशा और भारतीय बाजार में उनकी उपस्थिति को और मजबूत करेगा।

# मुद्रास्फीति के आंकड़े, कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

**- निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी रहेगी**

**मुंबई ।** इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों, मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के नतीजे आने वाले हैं। इसके अलावा निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी रहेगी। बीते सप्ताह अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने तथा अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। बाजार के विश्लेषकों के मुताबिक भारतीय शेयर बाजारों के लिए यह सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। निवेशक बड़ी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी एएमसी, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और एक्सिस बैंक जैसे बड़ी कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। स्थानीय बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के बीच संघर्ष जारी है। बाजार के एक अन्य विश्लेषक ने कहा कि सोमवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आएंगे, जो बाजार के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े मंगलवार को जारी किए जाएंगे। विश्लेषकों ने कहा कि बाजार में तेज गिरावट कई कारणों से आई है। इसमें विदेशी कोषों की निकासी, कंपनियों के तीसरी तिमाही के उम्मीद से कमजोर नतीजे, डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट और अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ना जैसे कारक शामिल हैं।

## सेबी डेरिवेटिव खंड में गतिविधि पर रोक नहीं लगाएगा

**- सेबी कारोबारी सुगमता और बेहतर जोखिम प्रबंधन के लिए करेगा कुछ उपाय**

**मुंबई ।**

पूंजी बाजार नियामक सेबी के एक पूर्णकालिक सदस्य ने हाल ही में एक बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि सेबी डेरिवेटिव खंड में गतिविधि पर रोक नहीं लगाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि सेबी कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाएगा जो डेरिवेटिव बाजार में कारोबार को नियंत्रित करे। उन्होंने बताया कि सेबी कारोबारी सुगमता और बेहतर जोखिम प्रबंधन के लिए कुछ उपायों पर विचार कर रहा है, परन्तु डेरिवेटिव खंड में कोई प्रतिबंध नहीं लगाने का इरादा है। उन्होंने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा नियंत्रित एनआईएसएम के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेबी दर्शकों के लिए उपयुक्तता और अनुकूलता को ध्यान में रख रही है और नकद बाजार और डेरिवेटिव बाजार के बीच संबंध को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। इस बयान के साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सेबी किसी तरह के डेरिवेटिव खंड में गतिविधि को रोकने की स्थिति में नहीं है और उसे बरकरार रखने का निश्चित करेगी।

उन्होंने उन सभी का समर्थन किया जिन्होंने सेबी के विचारों की प्रशंसा की है और सहमति जताई है कि डेरिवेटिव बाजार में कोई प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। उन्होंने भविष्य में भी स्पष्ट किया कि डेरिवेटिव को लेकर किसी भी बदलाव को सावधानी से देखा जाएगा और उसे सभी पक्षों के सुझाव को ध्यान में रखकर ही लागू किया जाएगा।

सेबी के इस प्रकार के निर्णय से बाजार के साथी उत्थान और विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत मिला है। इस सावधानीबद्ध कदम के साथ सेबी ने स्वतंत्र कारोबार को बढ़ावा देने का संकेत दिया है और बाजार में निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास किया है।

# स्टॉक में आई गिरावट, महंगा हो जाएगा गेहूं

**चावल का भंडार रिकॉर्ड स्तर के पार**

**नई दिल्ली ।**

भारत में चावल के बढ़ते भंडार ने जनवरी माह में सबसे ऊंचा स्तर छू लिया है जो देश के निर्यात की गति को तेज करने के लिए एक अवसर प्रदान कर सकता है। चावल के सरकारी भंडार में पहुंची मात्रा सरकार के निर्धारित लक्ष्य से अधिक है, लेकिन इस समय गेहूं की कमी के चलते बाजार में चिंता की स्थिति है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के अनुसार चावल के कुल स्टॉक जनवरी तक 60.9 मिलियन टन पहुंच गया है, जबकि निर्धारित लक्ष्य 7.6 मिलियन टन है। इस बढ़ते भंडार के साथ चावल के निर्यात में भी वृद्धि दर्शाई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि चावल की इतनी बड़ी मात्रा का भंडार एक चुनौती पैदा कर सकता है, जबकि गेहूं की सीमित उपलब्धता बाजार में चिंता फैला रही है। गेहूं के स्टॉक 1 जनवरी तक 18.4 मिलियन टन था, जो कि सरकार के लक्ष्य से अधिक है, लेकिन पिछले साल की औसत से काफी कम है। सरकार की ओर से मार्च 2025 तक 2.5 मिलियन टन गेहूं की बेचने की योजना बनाई गई है, जो पिछले साल के मुकाबले कम है। इसके चलते बाजार में गेहूं की कमी महसूस हो रही है। काकीनाड़ा के एक चावल निर्यातक ने बताया कि धान की खरीदारी जारी रहने से भंडारण की समस्या और गंभीर हो सकती है और सरकार को इन चुनौतियों का सामना करना होगा। चावल के भंडार और गेहूं की कमी के बीच संतुलन बनाने की चुनौती सामने खड़ी है। इस असंतुलन को देखते हुए सरकार को कठोर कदम उठाने होंगे ताकि गेहूं की पुनः उपलब्धता में सुधार हो सके और बाजार को स्थिरता मिले।

# इस सप्ताह 5 नए आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे

**- मेनबोर्ड और 4 एसएमई आईपीओ शामिल**

**नई दिल्ली ।**

आगामी हफ्ते शेयर बाजार में एक महामेला की तैयारी है, जिसमें अनेक बड़ी कंपनियों के आईपीओ और लिस्टिंग की घोषणा की गई है। 13 से 17 जनवरी के बीच 5 नए आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे, जिनमें मेनबोर्ड और 4 एसएमई आईपीओ शामिल हैं। इसके साथ ही 8 कंपनियों के शेयरों की भी लिस्टिंग होगी। मेनबोर्ड पर आ रहे हैं क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड, स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड और स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड। एकमात्र मेनबोर्ड आईपीओ, लक्ष्मी डेंटल आईपीओ के साथ एसएमई सेगमेंट में भी काबरा ज्वेल्स लिमिटेड का आईपीओ होगा। इनके अलावा रिखव सिक्योरिटीज लिमिटेड और लैंड इमिग्रेशन कंसल्टेंट्स लिमिटेड भी आईपीओ शुरू कर रहे हैं। इस उत्सव में इंडोबेल इंसुलेशन, एवैक्स अपैरल्स एंड ऑर्नामेंट्स, बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर, डेल्टा ऑटोकॉर्प और सत करतार शॉपिंग भी शामिल हैं। आगामी सप्ताह शेयर बाजार में महामेला का आनंद उठाएं और निवेश करने के लिए तैयार रहें। यह महामेला नए निवेशकों के लिए एक सुनहरा अवसर प्रस्तुत कर सकता है। इस पूरे महीने आईपीओ की सतर्कता बनी रहेगी और निवेशकों को सूचित रहने की

आवश्यकता है। हर कंपनी की विशेषता, इश्यू के विवरण और मार्केट डायनामिक्स पर ध्यान देना जरूरी है, ताकि स्मार्ट निवेश कर सकें। इस तरह के मौके बिना सही जानकारी के इस्तेमाल करने से नुकसान की संभावना हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के समारोह में गावस्कर सहित मुम्बई के पूर्व कप्तान सम्मानित

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक समारोह में सुनील गावस्कर सहित मुंबई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तानों को सम्मानित किया है। गावस्कर 1974 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेलने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। एमसीए की 50वीं वर्षगांठ के अवसर सप्ताह भर कार्यक्रम चलेंगे।

समारोह के दौरान गावस्कर ने कहा, ÷इस प्रतिष्ठित स्थल पर वापस आना बहुत अच्छा है, एक ऐसा स्थल जिसने भारतीय क्रिकेट को ऐसे शानदार पल दिए हैं। आज प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम के 50वें वर्षगांठ समारोह की शुरुआत है और एक सलामी बल्लेबाज के रूप में, मैं इसकी शुरुआत को भूल नहीं कर सकता था। मैं एमसीए को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और मेरे स्कूल के दिनों से मुझे जो अवसर प्रदान किए हैं, उसके लिए अपना गहरा आभार व्यक्त करता हूं। मैं अपनी सफलता का श्रेय एमसीए से प्राप्त समर्थन और प्रोत्साहन को देता हूं।

वहीं सम्मान समारोह में एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक के साथ ही एमसीए उपाध्यक्ष संजय नाइक, सचिव अभय हडप, कोषाध्यक्ष अरमान मलिक, संयुक्त सचिव दीपक पाटिल और पूर्व अध्यक्ष विजय पाटिल भी थे। समारोह में संजय मांजरेकर, वसीम जाफर, राजू कुलकर्णी, चंद्रकांत पंडित, लालचंद राजपूत, शोभा पंडित और अरुंधति घोष सहित कई क्रिकेट दिग्गजों ने भाग लिया, जिन्होंने मुंबई क्रिकेट की समृद्ध विरासत में योगदान दिया।

सप्ताह भर चलने वाले समारोह दो रोमांचक क्रिकेट मैच आयोजित किए गए, जिसमें मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए), स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम), महावाणिज्य दूत और आईएएस अधिकारियों की टीमों ने हिस्सा लिया। पहले मैच में, एमसीए ने स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई को पांच रनों से हराया, जबकि आईएएस अधिकारियों की टीम ने दूसरे मैच में महावाणिज्य दूत टीम को 20 रनों से हराया।

इस अवसर पर, एमसीए के अध्यक्ष इक ने कहा, 'वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ हमारे लिए एक विशेष अवसर है। आज भव्य समारोह की शुरुआत हुई और इस सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के पीछे हमारा मुख्य लक्ष्य अगली पीढ़ी को मुंबई के क्रिकेट इतिहास और मुंबई के लिए खेलने वाले पुरुष और महिला खिलाड़ियों के योगदान के बारे में बताना और युवा पीढ़ी को इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है।'

50वीं वर्षगांठ का जश्न पूरे सप्ताह जारी रहेगा। एमसीए 15 जनवरी को एमसीए के क्लबों और मैदानों के ग्राउंड्समैन को सम्मानित करेगा और उनके लिए पॉली उमरीगर स्वास्थ्य शिविर और विशेष लंच का आयोजन करेगा।

# विश्व कप की मेजबानी में पुर्तगाल का भी नाम, स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो की पहली प्रतिक्रिया आई सामने



**मैड्रिड (एजेंसी)।** पुर्तगाल सहित पांच अन्य देशों को 2030 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी मिलने के बाद स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि छह साल बाद होने वाला यह टूर्नामेंट बेहद खास होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को 2030 और 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबानों की औपचारिक घोषणा की। विश्व कप 2030 के मैच तीन महाद्वीपों के छह देशों में खेले जाएंगे।

यह पहला अवसर होगा जबकि विश्व कप छह देशों में आयोजित किया जाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को इसकी संयुक्त मेजबानी सौंपी गई है लेकिन दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके एक-एक मैच आयोजित किए जाएंगे। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दक्षिण अमेरिका के इन देशों को एक-एक मैच की मेजबानी सौंपी है। रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जर्सी पहनकर जश्न मनाते हुए अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की जिसमें उन्होंने लिखा है, 'सपना सच हो गया। यह बेहद खास विश्व कप होगा। पुर्तगाल 2030 में विश्व कप की मेजबानी करके हमें गौरवान्वित करेगा।' फीफा ने इसके साथ ही 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी सऊदी अरब को सौंपने की घोषणा भी की।

# भारत-ऑस्ट्रेलिया नहीं, जिम्बाब्वे ने बनाया टी20 का सबसे बड़ा स्कोर

**-सिकंदर, ब्रायन और मरुमानी ने की छक्के-चौकों की बौछार, 57 बाउंड्री लगाई**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** क्रिकेट में चौकों-छक्के लगना आम है और स्टेडियम में मौजूद लोग भी यही चाहते हैं, अगर किसी 20 ओवर के मैच में 57 बाउंड्री लग जाएं तो यह कमाल ही है। ऐसा कमाल हुआ भी है जब जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ने टी20 मैच में 27 छक्के और 30 चौके लगाए। जिम्बाब्वे ने कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए और उसने 4 विकेट पर 344 रन बनाए थे, जो टी20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे बड़े स्कोर का विश्व रिकॉर्ड है।

यह कारनामा जिम्बाब्वे ने केन्या की राजधानी नैरोबी में पिछले साल 23 अक्टूबर को किया था और इसका शिकार बना था गाम्बिया। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप सब रीजनल अफ्रीका क्वालिफायर के इस मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी की। ओपनर ब्रायन बेनेट (50) और टी मरुमानी (62) ने 98 रन बहुत ही तेज गति से बनाए, लेकिन असली तूफान तब आया जब जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा मैदान पर उतरे। सिकंदर रजा ने इस मैच में महज 33 गेंदों में शतक लगा दिया। यह टी20 इंटरनेशनल मैचों में दूसरा सबसे तेज शतक था। उन्होंने 43 गेंद में 133 रन की पारी खेली, जिसमें 15 छक्के और 7 चौके लगाए थे। जिम्बाब्वे के इस रिकॉर्ड खेल में क्लाइव मंडाडे ने भी 17 गेंद में 53 रन बनाए थे। उन्होंने 17 में से 8 गेंदों को बाउंड्री के पार कराई। 5 गगनचुंबी छक्के और 3 चौके लगाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे की इस पारी में 27 छक्के लगे। यह टी20 इंटरनेशनल मैचों में विश्व रिकॉर्ड है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में चौकों और छक्कों से 282 रन बनाए। यह टी20 इंटरनेशनल का विश्व रिकॉर्ड है। जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों की तूफानी रफ्तार के बाद गेंदबाज का भी जलजला रहा। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने गाम्बिया की पारी महज 54 रन पर समेट दी। इस तरह उसने 290 रन से मैच जीत कर इतिहास रच दिया था।

# 23 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2025, सैकिया और भाटिया ने बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष का पदभार संभाला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आधिकारिक तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की घोषणा कर दी है, जो 23 मार्च, 2025 से शुरू होने वाला है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रविवार को मुंबई में आयोजित बीसीसीआई की विशेष आम बैठक (एसजीएम) के बाद शुरुआत की तारीख का खुलासा किया।

**बीसीसीआई के नए सचिव और कोषाध्यक्ष चुने गए**

एसजीएम में, देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को क्रमशः नए बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया। शुक्ला ने कहा, 'देवजीत सैकिया को नए बीसीसीआई सचिव और प्रभतेज सिंह भाटिया को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया है।'

दिसंबर में जय शाह के आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के अध्यक्ष की भूमिका संभालने के बाद से सचिव का पद खाली था। इस बीच, महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त होने के बाद आशीष शेलार ने बीसीसीआई कोषाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया।

**चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आगामी निर्णय**

शुक्ला ने यह भी पुष्टि की कि 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम को अंतिम रूप देने के लिए 18 या 19 जनवरी को एक बैठक निर्धारित की गई है। यह निर्णय उन रिपोर्टों के बाद लिया गया है, जिनमें कहा गया है कि आईसीसी द्वारा 12 जनवरी को आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित किए जाने के बावजूद भारत की टीम की घोषणा में देरी हो सकती है।

अब तक, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश ने टूर्नामेंट के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। भारत अपने चैंपियंस ट्रॉफी अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच के साथ करेगा, उसके बाद 23 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ एक हाई-स्टेक मुकाबला और 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ एक मैच होगा, ये सभी मैच दुबई में ही होंगे।

# ओलंपिक चैंपियन झेंग दूसरे दौर में, ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पहले दिन बारिश ने डाली बाधा

मेलबर्न। ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने रविवार को यहां रॉड लेवर एरेना में छत के नीचे इनडोर परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया, जबकि बाहर बारिश हो रही थी। साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले दिन बारिश के कारण कई मैच नहीं हो पाए क्योंकि इनडोर सुविधा में कुछ मैचों का आयोजन ही संभव हो पाया था। पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेकना से हारने के बाद मेलबर्न पार्क के मुख्य कोर्ट पर अपने पहले मैच में पांचवीं वरीयता प्राप्त झेंग ने 20 वर्षीय क्वालीफायर एंका टोडोनी को 7-6 (3), 6-1 से हराया।

सत्रह वर्षीय मीरा एंड्रीवा दूसरे दौर में जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी थी। उन्होंने जॉन कैन एरेना में छत के नीचे खेले गए मैच में मैरी बौज़कोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से पराजित किया।

# पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी का टेस्ट क्रिकेट में भविष्य खतरे में

कराची। पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुना गया है जिससे उनका टेस्ट क्रिकेट में भविष्य खतरे में पड़ गया है। शाहीन को 2024 की शुरुआत से पाकिस्तान के आखिरी 12 टेस्ट मैचों में से आठ मैच से या तो बाहर कर दिया गया या फिर उन्हें तथाकथित रूप से विश्राम दिया गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अभी तक 32 टेस्ट में 116 विकेट लिए हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी धरती पर खेले गए दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भी टीम में नहीं चुना गया था। तब चयनकर्ताओं ने स्पष्टीकरण दिया था कि वे उन्हें 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तरोताजा चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शाहीन को मौजूदा बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने में कोई संकोच नहीं किया, जबकि उसी समय दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला चल रही थी। चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए तेज गेंदबाज नसीम शाह, मीर हमजा, मुहम्मद अब्बास और आमिर जमाल को भी टीम में नहीं रखा जबकि वे दक्षिण अफ्रीका में खेली गई श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे। पाकिस्तान इस श्रृंखला के दोनों मैच में हार गया था। चयनकर्ताओं के एक करीबी सूत्र ने कहा कि शाहीन और नसीम दोनों को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार किया जा रहा है। सूत्र ने कहा, 'चयनकर्ता चाहते हैं कि शाहीन और यहां तक कि नसीम भी चैंपियंस ट्रॉफी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें क्योंकि यह 50 ओवरों की प्रतियोगिता है और हम गत चैंपियन हैं।'

# प्रिटोरियस के 97 रन, पार्ल रॉयल्स ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप को नौ विकेट से हराया

**पार्ल (एजेंसी)।** लहुआन ड्रे प्रिटोरियस की 51 गेंद में 97 रन की पारी की मदद से पार्ल रॉयल्स ने शनिवार को यहां एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप को नौ विकेट से शिकस्त दी। अठारह साल के प्रिटोरियस ने अपनी पारी के दौरान 10 चौके और छह छक्के जड़े। उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट के साथ 132 रन की साझेदारी निभाई। प्रिटोरियस के मार्को यानसेन की गेंद पर पगबाधा आउट होने के बाद रूट ने 44 गेंद में नाबाद 62 रन (चार चौके, एक छक्का) बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ऐडन मार्करम ने 49 गेंद में 82 रन (सात चौके, दो छक्के) की पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। उनकी ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 28 रन) की पारी से टीम पांच विकेट पर 175 रन बनाने में सफल रही लेकिन इस स्कोर का बचाव नहीं कर सकी। वहीं शुक्रवार को डरबन सुपर जायंट्स ने विल जैक्स (64) और रहमानुल्लाह गुरबाज़ (89) की तूफानी पारियों के बावजूद प्रिटोरिया कैपिटल्स पर दो रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

डरबन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 209 रन बनाए। इसके जवाब में जैक्स और गुरबाज़ ने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़कर प्रिटोरिया को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बावजूद उसकी टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 207 रन ही बना पाई। अफगानिस्तान के गेंदबाज नूर अहमद ने इन दोनों बल्लेबाजों को आउट करके डरबन को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

जैक्स ने 35 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 64 रन, जबकि गुरबाज ने सात छक्कों और तीन चौकों की मदद से 43 गेंदों में 89 रन बनाए। इससे पहले डरबन की टीम ने वियान मुल्डर की 19 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से नाबाद 45 रन और न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन की 40 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से नाबाद 60 रन की बदौलत मजबूत स्कोर बनाया था।

# हैदराबाद तूफान्स ने सूरमा हॉकी को शूटआउट में 4-3 से हराया, यूपी रूद्राज जीता

राउरकेला। हैदराबाद तूफान्स ने शनिवार को यहां हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के रोमांचक मैच में पेनल्टी शूटआउट में सूरमा हॉकी क्लब को 4-3 से शिकस्त दी। दोनों टीमें नियमित समय में 1-1 से बराबरी पर थी। सूरमा हॉकी क्लब के लिए निकोलस डेला टोरे (आठवें मिनट) और हैदराबाद तूफान्स के लिए अमनदीप लकड़ा (40वें मिनट) ने गोल किया। हैदराबाद तूफान्स के गोलकीपर डॉमिनिक डिक्सन के 'सडन डेथ' में शानदार प्रदर्शन से टीम ने बोनस अंक जुटाया। हैदराबाद तूफान्स अब रविवार को वेदांता कलिंगा लांसर्स से भिड़ेगी। एक अन्य मैच में यूपी रूद्राज ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 3-1 से पराजित किया। यूपी रूद्राज के लिए फ्लोरिज वोर्टबोयर ने 30वें, केन रसेल ने 43वें और टैंगुए कोसिन्स ने 54वें मिनट में गोल दाकर अपनी टीम को तीन अंक दिलाये जिससे टीम तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई। दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए जेक वेटन ने 29वें मिनट में गोल दागा।

# रूड, निशिकोरी ने पहले दौर में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की

**मेलबर्न, (एजेंसी)।** छठे वरीय कैस्पर रूड ने रविवार को नाटकीय मुकाबले में जीत दर्ज की, जब नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने रॉड लेवर एरिना में स्पेन के खिलाड़ी जैम मुनार को 6-3, 1-6, 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर लगातार चौथे साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, रूड ने 37 अनफोर्स्ड गलतियों के साथ 48 विनर्स लगाए और पांचवें सेट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 93 प्रतिशत (13/14) फर्स्ट-सर्व पॉइंट जीतकर रॉड लेवर एरिना में तीन घंटे, 24 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। 26 वर्षीय रूड, जो तीन बार मेजर फाइनलिस्ट रह चुके हैं, ने जीत के साथ अपने पांच सेट के रिकॉर्ड को 10-6 तक सुधारा और मुनार के खिलाफ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 3-1 से आगे हैं।

हालांकि, मेलबर्न में उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2021 में आया जब वे चौथे दौर में पहुंचे। 26 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला चेक खिलाड़ी जैकब मेनसिक या जॉर्जियाई क्वालीफायर निकोलोज बेसिलशविली से होगा। अन्य मुकाबले में, जापान के केई निशिकोरी ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की और पहले दौर के जबरदस्त मैच में ब्राजील के थियागो मोंटेइरो के खिलाफ मैच प्वाइंट बचाए। जॉन कैन एरिना में छत के नीचे, जापानी स्टार सीधे सेटों में हारने के कगार पर थे, जब तीसरे सेट में 4-5 पर मैच में बने रहने के लिए सर्विस करते समय उन्हें दो मैच प्वाइंट का सामना करना पड़ा।

हालांकि, उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया, 23 विनर्स लगाए और सेट चार और पांच में सिर्फ़ आठ अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे चार घंटे छह मिनट के बाद 4-6, 6-7(4), 7-5, 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। निशिकोरी 2019 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं, जब उन्होंने मेलबर्न में चौथी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। 35 वर्षीय खिलाड़ी, जो हांगकांग में एटीपी 250 इवेंट में फाइनल तक पहुंचने के बाद हार्ड-कोर्ट मेजर में पहुंचे थे, अब टॉमी पॉल या क्रिस्टोफर ओ%कॉनेल से खेलेंगे। इससे पहले दिन में, फ्रांसीसी आर्थर फिल्स ने ओटो विरटेनन के खिलाफ़ 3-6, 7-6(4), 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। 20 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला हमवतन क्वेंटिन हेलिस या ऑस्ट्रेलियाई एडम वाल्टन से होगा।

# चैंपियंस ट्रॉफी : बुमराह के बाहर होने पर ये तेज गेंदबाज ले सकते हैं उनकी जगह

स्पोर्ट्स डेस्क ॅ चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू हो रहा है। लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं और यह टीम के लिए बुरी खबर है। बुमराह की पीठ में ऐंठन है जिस वजह से वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाहर हो सकते हैं। अब सवाल यह खड़ा हो रहा है कि उनकी जगह कौन ले सकता है। आइए उन प्लेयर्स के बारे में नजर डालते हैं जो चैम्पियन्स ट्रॉफी में बुमराह के बाहर होने पर उनकी जगह ले सकते हैं–




**प्रसिद्ध कृष्णा** – प्रसिद्ध कृष्ण का हालिया प्रदर्शन काफी शानदार है और वह भारत के स्टार तेज गेंदबाजों में से एक हैं। प्रसिद्ध ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ काफी शानदार गेंदबाजी की थी। बीते 5 मैचों में वह 15 से भी अधिक विकेट चटका चुके हैं।

**उमरान मलिक** – भारत के सबसे तेज गेंदबाज उमरान मलिक भी विकल्प हो सकते हैं। अगर बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो उमरान को मौका मिलने की उम्मीद की जा सकती है। उमरान के नाम भारत की ओर से सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड दर्ज है। उनकी फास्टेस्ट स्पीड 157 द्मद्बश्चद्ध है।

**आवेश खान** – भारत के स्टार तेज गेंदबाजों में से एक आवेश खान भी चोटिल जसप्रीत बुमराह को रिप्लेस करने कर सकते हैं। आवेश ने अब तक भारत के लिए कई मुकाबले खेले हैं और लगभग हर मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऐसे में अगर उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने का मौका मिलेगा तो वह काफी अच्छा कर सकते हैं।

# भारतीय क्रिकेट ने बेहतर खिलाड़ियों से ज्यादा कप्तानों को दिया जन्म

**मेलबर्न (एजेंसी)।** पिछले पांच सालों में भारतीय क्रिकेट ने बेहतर खिलाड़ियों से ज्यादा कप्तानों को जन्म दिया है, जिससे टीम में नेतृत्व को लेकर असमंजस बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में भारतीय क्रिकेट टीम को एक सेनापति के बजाय कई सेनापति अपनी-अपनी दिशा में सेना को चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस संकट का असर अब आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में देखने को मिल सकता है, जहां भारतीय टीम संभावित रूप से सात कप्तानों के साथ मैदान में उतरेगी। टीम इंडिया के नियमित कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और संभावित तौर पर केएल राहुल जैसे खिलाड़ी भी दुबई जाने वाली टीम में शामिल होंगे। ये सभी खिलाड़ी किसी न किसी समय भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब एक टीम में इतने कप्तान हों, तो क्या सभी एक पेज पर आ पाएंगे? भारतीय क्रिकेट में कप्तानी को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में चार कप्तान थे, जिनमें से दो ने अलग-अलग मौकों पर टीम का नेतृत्व किया। खबरें यहां तक थीं कि एक और खिलाड़ी कप्तानी की महत्वाकांक्षा रखता था। अब चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट में सात कप्तानों की मौजूदगी टीम के लिए रणनीतिक और सामंजस्य का बड़ा चैलेंज बन सकती है। 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उस वक्त टीम में सिर्फ एक ही लीडर था, जिसने खिलाड़ियों को एक दिशा में संगठित रखा। इसके बाद से खिलाड़ियों की फिटनेस और क्रिकेट कैलेंडर की व्यस्तता के कारण कप्तानों में बदलाव बढ़ा, जिससे टीम में नेतृत्व की स्थिरता कम हो गई।

रोहित शर्मा, जो 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी जीत का हिस्सा थे, टीम को एकजुट रखने की क्षमता रखते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या वे बाकी कप्तानों के साथ तालमेल बिठाकर इस चुनौती को पार कर पाएंगे? जितने सिर, उतने दिमाग वाली स्थिति में खिलाड़ियों का नेतृत्व करना रोहित के लिए बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम के फैंस को 2025 की शुरुआत में खराब प्रदर्शन के बाद अब चैंपियंस ट्रॉफी से वापसी की उम्मीद है। लेकिन कप्तानों की इस फौज के बीच यदि हर कोई अपनी-अपनी शैली में नेतृत्व करने की कोशिश करेगा, तो टीम के लिए यह टूर्नामेंट एक और खाली हाथ वापसी का कारण बन सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# मकर संक्रांति 2025 के शुभ मुहूर्त :

## मकर संक्रांति के दिन की पूजा विधि और विशेष मुहूर्त

प्रतिवर्ष की तरह वर्ष 2025 में मकर संक्राति पर्व 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह सूर्यभगवान और शनिदेव का त्योहार क्योंकि शनिदेव की की मकर राशि में सूर्यदेव का इस दिन गोचर होता है। और, इस दिन पर सूर्य दक्षिणायन पक्ष छोड़कर उत्तरायणपथ से निकलकर गमन करते हैं। इस दिन से दिन बड़े होने लगते हैं। इस दिन व्रत और दान यानी विशेष कर तिल के दान का काफी महत्व माना गया है। इस दिन पूजा करने के बाद जब तक गाय और गरीबों को दान नहीं दिया जाता, तब तक व्रत रखना चाहिए। इस दिन पूजा के बाद तिल-गुड़ की मिठाइयां बांटते हैं।

-सूर्य 14 जनवरी मंगलवार को सुबह 09:03 बजे मकर राशि में प्रवेश करेगा।
-मकर संक्रांति का पुण्य काल- सुबह 09:03 से शाम 05:46 तक।
-मकर संक्रांति का महा पुण्य काल- सुबह 09:03 से सुबह 10:48 तक।

### शुभ मुहूर्त

अमृत काल: प्रात: 07:55 से सुबह 09:29 बजे तक।
अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:09 से दोपहर 12:51 तक।
विजय मुहूर्त: दोपहर 02:15 से दोपहर 02:57 तक।
गोधूलि मुहूर्त: शाम 05:43 से शाम 06:10 तक।

### मकर संक्रांति पूजा विधि

संक्रांति के दिन पुण्य काल में दान, स्नान व श्राद्ध करना शुभ माना जाता है।
इस दिन तीर्थों में या गंगा स्नान और दान करने से पुण्य प्राप्ति होती है।
मकर संक्रांति के दिन पावन नदियों में श्रद्धापूर्वक स्नान करें।
इसके बाद, पूजा-पाठ, दान और यज्ञ क्रियाओं को करें।
प्रात:नहा-धोकर भगवान शिव जी की पूजा तेल का दीपक जलाकर करें।
भोलेनाथ की प्रिय चीजों जैसे धतूरा, आक, बिल्व पत्र इत्यादि को अर्पित करें।
भविष्यपुराण के अनुसार सूर्य के उत्तरायन या दक्षिणायन के दिन संक्रांति व्रत करना चाहिए।
इस व्रत में संक्रांति के पहले दिन एक बार भोजन करना चाहिए।
संक्रांति के दिन तेल तथा तिल मिश्रित जल से स्नान करना चाहिए।
इसके बाद सूर्य देव की स्तुति करनी चाहिए। ऐसा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।
संक्रांति के पुण्य अवसर पर अपने पितरों का ध्यान और उन्हें तर्पण अवश्य प्रदान करना चाहिए।
सूर्यदेव को अर्घ्य दें। आदित्य हृदय स्तोत्र का 108 बार पाठ करें।
मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में सिद्ध सूर्य यंत्र को सूर्य मंत्र का जप करके पहनने से सूर्यदेव तरक्की की राह आसान बना देते हैं।
तिल युक्त खिचड़ी, रेवड़ी, लड्डू खाएं एवं दूसरों को भी खिलाएं।
ब्राह्मण को गुड़ व तिल का दान करें और खिचड़ी खिलाएं।
वेदों में वर्जित कार्य- जैसे दूसरों के बारे में गलत सोचना या बोलना, वृक्षों को काटना और इंद्रिय सुख प्राप्ति के कार्य इत्यादि कदापि नहीं करना चाहिए।
जरूरतमंद को कंबल, वस्त्र, छाते, जूते-चप्पल इत्यादि का दान करें।

### मकर संक्रांति मंत्र

मकर संक्रांति के दिन सूर्यदेव की निम्न मंत्रों से पूजा करनी चाहिए
- ॐ सूर्याय नम:, ॐ आदित्याय नम:, ॐ सप्तार्चिषे नम:।

# मकर संक्रांति: इसी दिन खुलता है स्वर्ग का द्वार!

**मूलत:** सूर्य उपासना का अति प्राचीन पर्व मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास के साथ सम्पूर्ण भारत सहित कई अन्य देशों में भी किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। इसी दिन से वसंत ऋतु की शुरूआत होती है खरीफ की फसलें कट चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहा रही होती हैं खेत में सरसों के फूल मनमोहक लगते हैं। इसीलिए यह पर्व सम्पूर्ण भारत में फसलों के आगमन की खुशी के रूप में भी मनाया जाता है। मकर संक्रांति पर्व 14 अथवा 15 जनवरी को ही मनाए जाने के पीछे सूर्य की भूमिका का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इसी दिन सूर्य देवता इन्द्रधनुषी रंग से मेल खाते अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हुए अपनी उत्तर दिशा की यात्रा आरंभ करते हैं जो हमारे जीवन को उजाले से भरने तथा अंधकार से छुटकारे का प्रतीक है। मान्यता है कि इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे। कहा जाता है कि महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए मकर संक्रांति के ही दिन तर्पण किया था। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में होने वाले परिवर्तन यानी सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आने को अंधकार से प्रकाश की ओर परिवर्तन माना जाता है। सूर्य प्राय: 14 या 15 जनवरी को ही मकर राशि में प्रवेश करता है इसीलिए उसी दिन मनाए जाने वाले पर्व को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है।

यह हिन्दू पर्व भारत के अलग-अलग राज्यों में भी अलग-अलग तरीकों और नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे लोहड़ी खिचड़ी पर्व पतंगोत्सव इत्यादि नामों से जाना जाता है जबकि मध्य भारत में इसे संक्रांति कहा जाता है। दक्षिण भारत में यह त्यौहार 'पोंगल' उत्सव के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति को उत्तरायण माघी खिचड़ी पौष संक्रांति भोगाली बिहू शिशुर सेंक्रांत आदि नामों से भी जाना जाता है। नेपाल में इसे माघे संक्रांति या माघी संक्रांति व खिचड़ी संक्रांति श्रीलंका में पोंगल या उझवर तिरूनल बांग्लादेश में पौष संक्रांति थाईलैंड में सोंगकरन म्यांमार में थिंयान कम्बोडिया में मोहा संगक्रान तथा लाओस में पि मा लाओ नाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि मकर संक्रांति से ही दिन तिल-तिल करके बढ़ता है अर्थात् इस दिन से दिन की अवधि रात के समय से अधिक होने लगती है यानी दिन लंबे होने लगते हैं जिससे खेतों में बोए हुए बीजों को अधिक रोशनी अधिक उष्मा और अधिक ऊर्जा मिलती है जिसका परिणाम अच्छी फसल के रूप में सामने आता है। इसलिए इस अवसर का खासतौर से किसानों के लिए तो बड़ा महत्व है।

मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द जहां मकर राशि को इंगित करता है वहीं 'संक्रांति' शब्द का अर्थ है संक्रमण अर्थात प्रवेश करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को ही संक्रांति कहा जाता है। सूर्य हर माह एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है अर्थात् एक-एक करके वर्षभर में कुल 12 राशियों में प्रवेश करता है। सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है तो उसे 'संक्रांति' कहा जाता है।

पृथ्वी की गोलाकार आकृति और अक्ष पर भ्रमण की वजह से दिन और रात होते हैं। जब पृथ्वी का कोई भाग सूर्य के सामने आता है उस समय वहां दिन होता है जबकि पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने नहीं होता वहां रात होती है। यह पृथ्वी की दैनिक गति कहलाती है। पृथ्वी सूर्य की एक परिक्रमा 12 महीने में पूरी करती है जिसे पृथ्वी की वार्षिक गति कहा जाता है। इस वार्षिक गति के आधार पर ही दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग ऋतुएं होती हैं।

हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन श्राद्धकर्म तथा तीर्थ स्नान करना फलदायी माना गया है। इस दिन लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों पर पवित्र स्नान करते हैं और तिल से बने पदार्थों का दान करते हैं। गंगासागर पर तो इस अवसर पर तीर्थस्नान के लिए लाखों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ता है जो इस पर्व की महत्ता को परिलक्षित करता है। मान्यता है कि इस दिन देशभर के किसी भी पवित्र तीर्थ संगम स्थल या गंगा अथवा यमुना के तट पर स्नान करने से आध्यात्मिक शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक ऊर्जा मिलती है। कहा जाता है कि इसी दिन स्वर्ग का द्वार भी खुलता है और इस विशेष दिन को सुख-समृद्धि का दिन माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों में स्नान दान पूजा इत्यादि करने से पुण्य प्रभाव हजारों गुना बढ़ जाता है। मकर संक्रांति पर्व 'पतंग महोत्सव' के रूप में भी मनाया जाता है। दरअसल इस दिन लोग न केवल अपने घर की छतों पर या खुले मैदानों में पतंग उड़ाते हैं बल्कि देश के कई हिस्सों में पतंग उडाने की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। चूंकि कड़ाके की ठंड के इस मौसम में सूर्य का प्रकाश शरीर के लिए स्वास्थवर्द्धक स्फूर्तिदायक और त्वचा व हड्डियों के लिए अत्यधिक लाभदायक माना जाता है इसीलिए मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने के पीछे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना मुख्य कारण माना जाता है।

# मकर संक्रांति के बारे में 25 पौराणिक तथ्य और सत्य

**सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के समय को मकर संक्रांति कहते हैं। यह ऋतु परिवर्तन, फसल कटाई और बुवाई, उत्तरायण का त्योहार है लेकिन इसके साथ ही इसके साथ कई पौराणिक तथ्य भी जुड़े हैं साथ ही कई परंपराएं भी इसके साथ जुड़ी हुई है। जानिए इस संबंध में 25 खास जानकारी।**

1. हिन्दू धर्मशास्त्रों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण गति करने लगते हैं। हालांकि इस बात को लेकर मतभेद हैं।
2. इस दिन से देवताओं का छह माह का दिन आरंभ होता है, जो आषाढ़ मास तक रहता है।
3. इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनि के घर एक महीने के लिए जाते हैं, क्योंकि मकर राशि का स्वामी शनि है।
4. मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं।
5. इसी दिन महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए तर्पण किया था इसलिए मकर संक्रांति पर गंगासागर में मेला लगता है। इसीलिए तभी से तर्पण प्रथा भी प्रचलित हुई।
6. इस दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत करके युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी। उन्होंने सभी असुरों के सिरों को मंदार पर्वत में दबा दिया था। इसलिए यह दिन बुराइयों और नकारात्मकता को खत्म करने का दिन भी माना जाता है।
7. महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने का ही इंतजार किया था। कारण कि उत्तरायण में देह छोड़ने वाली आत्माएं या तो कुछ काल के लिए देवलोक में चली जाती हैं या पुनर्जन्म के चक्र से उन्हें छुटकारा मिल जाता है।
8. सूर्य की सातवीं किरण भारत वर्ष में आध्यात्मिक उन्नति की प्रेरणा देने वाली है। सातवीं किरण का प्रभाव भारत वर्ष में गंगा-जमुना के मध्य अधिक समय तक रहता है। इस भौगोलिक स्थिति के कारण ही हरिद्वार और प्रयाग में माघ मेला अर्थात मकर संक्रांति या पूर्ण कुंभ तथा अर्द्धकुंभ के विशेष उत्सव का आयोजन होता है।
9. सूर्य संस्कृति में मकर संक्रांति का पर्व ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश, आद्यशक्ति और सूर्य की आराधना एवं उपासना का पावन व्रत है, जोतन-मन-आत्मा को शक्ति प्रदान करता है।
10. संत-महर्षियों के अनुसार इसके प्रभाव से प्राणी की आत्मा शुद्ध होती है। संकल्प शक्ति बढ़ती है। ज्ञान तंतु विकसित होते हैं। मकर संक्रांति इसी चेतना को विकसित करने वाला पर्व है। यह संपूर्ण भारत वर्ष में किसी न किसी रूप में आयोजित होता है।
11. विष्णु धर्मसूत्र में कहा गया है कि पितरों की आत्मा की शांति के लिए एवं स्व स्वास्थ्यवर्द्धन तथा सर्वकल्याण के लिए तिल के छः प्रयोग पुण्यदायक एवं फलदायक होते हैं- तिल जल से स्नान करना, तिल दान करना, तिल से बना भोजन, जल में तिल अर्पण, तिल से आहुति, तिल का उबटन लगाना।
12. सूर्य के उत्तरायण होने के बाद से देवों की ब्रह्म मुहूर्त उपासना का पुण्यकाल प्रारंभ हो जाता है। इस काल को ही परा-अपरा विद्या की प्राप्ति का काल कहा जाता है। इसे साधना का सिद्धिकाल भी कहा गया है। इस काल में देव प्रतिष्ठा, गृह निर्माण, यज्ञ कर्म आदि पुनीत कर्म किए जाते हैं। मकर संक्रांति के एक दिन पूर्व से ही व्रत उपवास में रहकर योग्य पात्रों को दान देना चाहिए।
13. रामायण काल से भारतीय संस्कृति में दैनिक सूर्य पूजा का प्रचलन चला आ रहा है। मकर संक्रांति सूर्यपूजा का विशेष दिन है। राम कथा में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा नित्य सूर्य पूजा का उल्लेख मिलता है।
14. प्रचलन से मकर संक्रांति के साथ तिल, गुड़, पतंग, गिल्ली डंडा खेलाना आदि कई परंपराएं जुड़ी चली गई।
15. मकर संक्रांति के दिन सूर्य को अर्घ्य देने का खास महत्व है।
16. मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदी में स्नान का भी महत्व है।
17. मकर संक्रांति के दिन दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।
18. मकर और कर्क संक्रांति को छोड़कर संक्रान्ति दिन या रात्रि दोनों में हो सकती है। दिन वाली संक्रान्ति पूरे दिन भर पुण्यकाल वाली होती है।
19. बारह संक्रांतियां 7 प्रकार की, 7 नामों वाली हैं, जो किसी सप्ताह के दिन या किसी विशिष्ट नक्षत्र के सम्मिलन के आधार पर मानी गई हैं। ये हैं- मन्दा, मन्दाकिनी, ध्वांक्षी, घोरा, महोदरी, राक्षसी एवं मिश्रिता।
20. नक्षत्र पर आधारित संक्रांतियां- ध्रुव, मृदु, क्षिप्र, उग्र, चर, क्रूर या मिश्रित कही गई है जिसका अलग अलग फल बताया जाता है।
21. कालांतार में संक्रांति का देवीकरण हो गया और वह साक्षात? दुर्गा कही जाने लगी। जैसे अब वो किसी न किसी वाहन, उप वाहन आदि पर सवार होकर आती है।
22. प्रत्येक संक्रांति के दान भी अलग अलग बताए गए हैं। मेष में भेड़, वृषभ में गायें, मिथुन में वस्त्र, भोजन एवं पेय पदार्थ, कर्क में घृतधेनु, सिंह में सोने के साथ वाहन, कन्या में वस्त्र एवं गौएं, नाना प्रकार के अन्न एवं बीज, तुला-वृश्चिक में वस्त्र एवं घर, धनु में वस्त्र एवं वाहन, मकर में ईंधन एवं अग्नि, कुम्भ में गौएं जल एवं घास, मीन में नए पुष्प दान किए जाने का उल्लेख मिलता है।
23. मकर संक्रांति के सम्मान में अब 3 दिनों या एक 1 दिन का उपवास भी रखा जाता है। जो व्यक्ति तीन दिनों का उपवास रखता है उसकी मनचाही इच्छा पूर्ण होती है। एक दिन का उपवास करने वाला पापों से मुक्ति हो जाता है।
24. मकर संक्रांति को हर प्रांत में अलग अलग रूप में मनाया जाता है। जैसे तमिलनाडु या संपूर्ण दक्षिण भारत में पोंगल के रूप में इसे मनाते हैं। पोंगल तमिल वर्ष का प्रथम दिवस है। असम में माघ बिहू के रूप में, पंजाब, हरियाणा और जम्मू कश्मीर में लोहड़ी के रूप में और गुजरात में उत्तरायण के रूप में इसे मनाते हैं। सिंध में या सिन्धी समाज लाल लोही के रूप में मनाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में खिचड़ी पर्व के रूप में इसे मनाते हैं। केरल में मकर ज्योति के रूप में मनाते हैं।
25. मकर रेखा दक्षिणी गोलार्द्ध में भूमध्य रेखा के समानांतर 23' 23' 22' पर, पश्चिम से पूरब की ओर खींची गई काल्पनिक रेखा है। मकर रेखा के उत्तर में तथा कर्क रेखा के दक्षिण में स्थित क्षेत्र उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र कहलाता है। 22 दिसम्बर को सूर्य जब मकर रेखा पर लम्बवत चमकता है तो उसके बाद वह उत्तरायण गति करने लगता है। मकर संक्रांति के दिन यह पूर्णत: उत्तरायण हो जाता है।

# लोहड़ी के त्योहार का धार्मिक और सामाजिक महत्व

**खुशहाली के आगमन का प्रतीक माने जाने वाले लोहड़ी का पर्व पंजाब में खासतौर पर पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया जाता है। लोहड़ी पर्व से जुड़ी एक बड़ी बात यह भी है कि मूल रूप से सिखों के इस त्योहार के दिन का निर्धारण हिंदू पंचांग/कैलेण्डर से होता है।**

### लोहड़ी पर झूम उठते हैं किसान

हर साल के जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में मनाया जाने वाला यह पर्व किसानों के लिए विशेष रूप से उत्साह लेकर आता है क्योंकि इस पर्व तक उनकी वह फसल पक कर तैयार हो चुकी होती है जिसको उन्होंने अपनी अथक मेहनत से बोया और सींचा था। इस दिन जब लोहड़ी जलाई जाती है तो उसकी पूजा गेहूं की नयी फसल की बालों से ही की जाती है। जाति बंधनों से मुक्त होकर यह पर्व समूचे उत्तर भारत खासकर पंजाब और हरियाणा में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। राजधानी दिल्ली में भी इस पर्व की धूम खूब रहती है। मकर संक्रांति से एक दिन पहले पड़ने वाले इस पर्व पर लोग मस्ती में रहते हैं तथा नाच गाकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं।

### इस बार लोहड़ी पर्व की वैसी छटा नहीं

पंजाब में तो इस पर्व पर अलाव जलाकर भांगड़ा नृत्य किया जाता है और मूंगफली, रेवड़ी तथा गजक का प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन पंजाबी गायकों की काफी मांग रहती है और विभिन्न इलाकों में वह अपनी गायकी से लोगों को झूमने पर मजबूर कर देते हैं। हालांकि इस बार कोरोना संक्रमण के चलते लगे तमाम प्रतिबंधों की वजह से सामूहिक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जा रहे हैं। लोग इस बार अपने परिवार के साथ ही लोहड़ी पर्व मना रहे हैं।

### लोहड़ी से जुड़ा धार्मिक महत्व

देखा जाये तो दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में जहां इस पर्व को मस्ती भरे अंदाज में मनाया जाता है वहीं पंजाब में इस पर्व का धार्मिक महत्व भी होता है। इस दिन सुबह से ही विभिन्न गुरुद्वारों में श्रद्धालु एकत्रित होना शुरू हो जाते हैं। इसके साथ ही इस दिन अंधेरा होते ही लोहड़ी जलाकर सात चक्कर लगाकर अग्नि पूजा करते हुए तिल, गुड़, चावल और भुने हुए मक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिलचौली कहा जाता है। आग में तिल डालते हुए, ईश्वर से धनधान्य से भरपूर होने का आशीर्वाद मांगा जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिसके घर पर भी खुशियों का मौका आया, चाहे विवाह के रूप में हो या संतान के जन्म के रूप में, लोहड़ी उसके घर जलाई जाएगी और लोग वहीं एकत्र होंगे। इस अवसर पर लोग मूंगफली, तिल की गजक और रेवड़ियां आपस में बांटकर खुशियां मनाते है।

### पारम्परिक रीति-रिवाज

लोहड़ी पर्व से जुड़ी परम्परा के अनुसार, इस दिन पंजाब में बहुएं घर-घर जाकर लोकगीत गाकर लोहड़ी मांगती हैं और दुल्ला भट्टी के गीत गाती हैं। इस गीत के पीछे यह मान्यता है कि महराजा अकबर के शासन काल में दुल्ला भट्टी एक लुटेरा था लेकिन वह हिंदू लड़कियों को गुलाम के तौर पर बेचे जाने का विरोधी था। उन्हें बचा कर वह उनकी हिंदू लड़कों से शादी करा देता था। गीतों में उसके प्रति आभार व्यक्त किया जाता है।

### लोहड़ी से जुड़ी बड़ी बात

पंजाब में नई बहू और नवजात बच्चे के लिए लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इस दिन रेवड़ी और मूंगफली वितरण के साथ ही मक्के की रोटी और सरसों के साग का भोज भी आयोजित किया जाता है। पंजाब के गांवों में तो इस दिन इस तरह के दृश्य आम होते हैं कि परम्परागत वेशभूषा पहले सिख पुरुष और स्त्रियां ढोल की थाप पर लोकप्रिय भांगड़ा नृत्य कर खुशियां मनाते हैं। बच्चों को भी उनका साथ देते देखा जा सकता है। स्त्रियां तो इस अवसर पर अपनी हथेलियों और पांवों पर आकर्षित करने वाली आकृतियों वाली मेहंदी भी रचाती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## एटीएम में लोगों के कार्ड को फंसाकर पैसे ठगने के नए तरीके आए सामने, रहें सतर्क

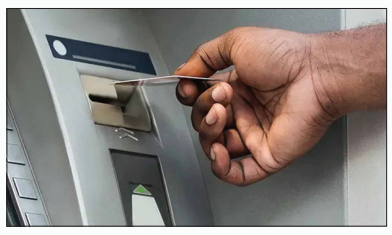

नई दिल्ली। एटीएम में काली पट्टी फंसाकर लोगों के कार्ड को फंसा देना और फिर फर्जी हेल्पलाइन नंबरों के द्वारा पैसे निकालने का नया तरीका अपराधियों ने अपना लिया है। हाल ही में पटना और आसपास के इलाकों में तीन लोगों के साथ इसतरह की धोखाधड़ी हुई है। जहां पहले मामले में 5 जनवरी को बिहार के पटना स्थित परसा बाजार निवासी रणविजय सिंह सेंट्रल बैंक के एटीएम से 10 हजार रुपए निकालने गए। ट्रांजैक्शन के बाद उनका कार्ड मशीन से बाहर नहीं आया। इसी बीच दो लोग आए और उन्होंने रणविजय को पास की बैंक शाखा या दिए गए नंबर पर कॉल करने को कहा। रणविजय ने नंबर पर कॉल किया, लेकिन नंबर बंद था। वे कार्ड छोड़कर बैंक गए, और तभी उनके खाते से 81 हजार रुपए निकाल लिए गए। दूसरे मामले में पंडारक के शशि कपूर पासवान के साथ ऐसा ही हुआ। उनका कार्ड बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में फंस गया। दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर शातिर ने उन्हें पिन डालने और कैंसिल बटन दबाने को कह दिया। थोड़ी ही देर में उनके खाते से 38,500 रुपए निकाल लिए गए। तीसरे मामले में जहानाबाद के धीरज कुमार का कार्ड एसबीआई एटीएम में फंस गया। दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर उन्हें बताया गया कि कार्ड दोपहर बाद निकलेगा। वे कार्ड छोड़कर चले गए, और उनके खाते से 1.11 लाख रुपए ट्रांजैक्शन और शॉपिंग के जरिए निकाल लिए गए।

## जम्मू में नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सेना ने तेज किया तलाशी अभियान

जम्मू। सेना ने जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद शुरू किया गया तलाशी अभियान रविवार को ड्रोन और अन्य नवीनतम उपकरणों की मदद से तेज कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ग्रामीणों द्वारा जोगीवन वनक्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दिए जाने के बाद शनिवार को भट्टल क्षेत्र में सेना की विभिन्न इकाइयों द्वारा तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्हें संदेह था कि वे घुसपैठिये आतंकवादी थे। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान जारी है तथा व्यापक क्षेत्र को शामिल करने के लिए अधिक जवानों को तैनात किया गया है, हालांकि अभी तक संदिग्धों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके की तलाशी के लिए खोजी कुत्तों के अलावा ड्रोन और अन्य नवीनतम उपकरण भी तैनात किए हैं। उन्होंने बताया कि सेना के इस तलाशी अभियान में पुलिस के दल भी शामिल हुए हैं। पिछले वर्ष 28 और 29 अक्टूबर को अखनूर सेक्टर में सुरक्षाबलों ने दो दिवसीय अभियान में पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादियों को मार गिराया था।

## कम उम्र के बच्चों के ऑनलाइन पेमेंट माता-पिता की अनुमति से

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 18 साल से कम उम्र के बच्चों के ऑनलाइन लेनदेन के लिए नियमों में बदलाव किए जाने का प्रारूप तैयार किया गया है। बच्चों के खाते से ऑनलाइन लेनदेन करने का ओटीपी का ईमेल और मोबाइल फोन पर बच्चों के पैरंट को भी मिलेगा। उनके द्वारा पुष्टि कर देने के बाद ही भुगतान संभव होगा। वर्तमान में जिस तरह से डिजिटल क्राइम बढ़ रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्वयं ऑन लाइन पेमेंट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी वह सक्रिय रहते हैं। ऐसी स्थिति में दुरुपयोग को रोकने के लिए अब माता-पिता या जो भी पालक हैं। उनके पास सूचना आएगी, तभी लेनदेन संभव हो सकेगा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इसके लिए नियमों में परिवर्तन करने जा रहा है। सरकार ने दावे और आपत्ति के लिए 18 फरवरी तक की तारीख तय की है। इसकी सुनवाई होने के पश्चात अप्रैल 2025 से इसे लागू किया जा सकता है। इस संशोधन के बाद साइबर क्राइम और सोशल मीडिया पर नाबालिक बच्चों के माता-पिता को निगाह रखने में आसानी होगी। बच्चों के नाम पर जो सिम कार्ड जारी होगी। उसके लिए हर स्तर पर पेरेंट्स की सहमति को अनिवार्य किया जाएगा।

## भूपेंद्र हुड्डा ने चेताया कहा- नशे की भेंट चढ़ रही हरियाणा की जवानी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भेपेंद्र सिंह हुड्डा ने चेतावनी देते हुए कहा है कि इस वक्त राज्य में नशे ने युवाओं की जिंदगी दांव पर लगा दी है। उन्होंने कहा कि दूध-दही के खाने वाले हरियाणा को नशा तस्करों ने ड्रग्स, अफीम, चिट्टा, हेरोइन, ब्राउन शुगर, स्मैक, चरस, गांजा, कोकीन, भांग और सुल्फा का अड्डा बना दिया है। नशा कारोबारी बेखौफ अपने साम्राज्य को फैला रहे हैं, जिससे उनका नेटवर्क हर गांव, गली व मोहल्ले तक पहुंच गया है। हुड्डा ने कहा कि युवाओं से लेकर महिलाएं और छोटे-छोटे बच्चे भी नशे की चपेट में आकर जान गंवा रहे हैं। हरियाणा की पहचान उसका शुद्ध, सात्विक खाना, उर्जावान युवा, जवान और खिलाड़ी होते थे, लेकिन प्रदेश सरकार ने इसे नशे में 'उड़ता हरियाणा' बना दिया है। अब हरियाणा की जवानी नशे की भेंट चढ़ रही है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से दिसंबर 2023 में राज्यसभा में पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा में नशा करने वाले 16.51 फीसद लोग अफीम, हेरोइन और चिट्टा का इस्तेमाल करते हैं। 11 प्रतिशत लोग नशे के लिए गांजा, भांग और चरस तथा पांच प्रतिशत लोग नींद के लिए ली जाने वाली नशीली दवाइयों और बड़ी मात्रा में लोग कोकीन का भी इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने पिछले पांच साल में लगभग 15 लाख लोग नशा मुक्ति के लिए सरकारी अस्पतालों की ओपीडी और नशा मुक्ति केंद्रों में पहुंचे हैं। हालांकि यह आंकड़ा इससे कई गुना बड़ा हो सकता है क्योंकि नशे की दलदल में फंसे लाखों लोग इलाज के लिए आगे नहीं आते हैं और अपनी जिंदगी तबाह कर लेते हैं।

# भारत का बड़ा कदम अब इंडोनेशिया को देगा ब्रह्मोस मिसाइल

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने हुए चुनौतीपूर्ण सुरक्षा हालात के बीच भारत की कोशिश एक ओर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के जरिए अपनी सभी घरेलू जरूरतों को पूरा करने की है। वहीं, दूसरी ओर वह निर्यात के जरिए स्वदेश में बनाए गए सैन्य हथियारों को तेजी के साथ दुनिया के दूसरे देशों को देने का इच्छुक है। जिससे उनकी सामरिक क्षमता को भी मजबूती प्रदान की जा सके। इसी क्रम में भारत, इंडोनेशिया को ध्वनि की गति से भी अधिक तेजी से मार करने में सक्षम 'सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल' देगा। रक्षा सूत्रों ने बताया यह समूची कवायद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने वाले इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा से ठीक पहले हो रही है। इसे देखते हुए यह संभावना जताई जा रही है कि दोनों देशों के बीच ब्रह्मोस मिसाइल समझौते की घोषणा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा से ऐन पहले या उसके साथ भी की जा सकती है। गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के बाद भारत और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के बीच राजधानी में एक द्विपक्षीय बैठक होना तय है। यहां बता दें कि भारत की तीनों सशस्त्र सेनाएं वर्ष 2006 से (सेना, वायुसेना और नौसेना) ब्रह्मोस मिसाइल के विभिन्न संस्करणों का प्रयोग कर रही हैं।

भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस मिसाइल के मामले पर चर्चा की शुरुआत पिछले दिसंबर महीने में नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की इंडोनेशिया की यात्रा के दौरान हुई थी। वहीं, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय ने राजधानी जकार्ता में मौजूद भारतीय दूतावास को ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद को लेकर लगभग 450 मिलियन डॉलर के समझौते से जुड़ा हुआ एक पत्र भी सौंपा है। उधर, भारत ने इंडोनेशिया से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) या किसी अन्य भारतीय राष्ट्रीय बैंक के जरिए समझौते से जुड़ी उक्त धनराशि को ऋण (लोन) पर लेने के पेशकश की है। जबकि इसके पूर्व में एक्जिम बैंक (आयात-निर्यात बैंक) द्वारा इंडोनेशिया के ऋण से जुड़ी प्रक्रिया को पूरा करने का निर्णय लिया गया था। लेकिन यह हो नहीं सका।

भारत ने सबसे पहले अपने देश के बाहर वर्ष 2022 में फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल (290 किलोमीटर की मारक क्षमता) दी थी। इसके लिए दोनों देशों के बीच कुल करीब 374.96 मिलियन डॉलर का एक समझौता हुआ था। जिसमें तट आधारित युद्धपोत रोधी मिसाइल सिस्टम दिया गया था। समझौते में हालांकि मिसाइल की तीन बैटरियां भी शामिल थीं। जिसे भारत ने फिलीपींस को सौंपा था। अब इंडोनेशिया दुनिया का दूसरा ऐसा देश होगा जिसे भारत द्वारा ब्रह्मोस मिसाइल दी जाएगी। यहां गौर करने वाली बात यह है कि फिलीपींस और इंडोनेशिया दोनों ही दस सदस्यीय आसियान समूह में शामिल देश हैं। जिन्हें भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल दी है। इन दोनों के अलावा भारत और वियतनाम के बीच भी ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर चर्चा जारी है। मूलरूप से यह मिसाइल वर्ष 1998 में भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई ब्रह्मोस परियोजना के तहत विकसित की गई थी। इसके निर्माण में भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस का एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया शामिल हैं। मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मस्कवा नदी के नाम पर ब्रह्मोस रखा गया है।

## ग्रेटर नोएडा : केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, 32 दमकल गाड़ियों ने 6 घंटे में पाया काबू

- सुबह 3:30 बजे लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान लेकिन जनहानि नहीं

- 32 दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग इतनी भयावह थी कि उस पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 32 गाड़ियों को लगाया गया और इसे बुझाने में लगभग 6 घंटे का समय लगा। हादसा रविवार सुबह करीब 3:30 बजे बांके बिहारी केमिकल प्लांट में हुआ। आग लगने के बाद कुछ ही समय में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई। केमिकल फैक्ट्री से उठते काले धुएं के गुब्बार और तेज लपटों को देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने तुरंत 32 गाड़ियों को मौके पर भेजा। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल होने के कारण आग तेजी से फैलती जा रही थी, जिससे इसे बुझाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दमकलकर्मियों ने करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस भीषण हादसे में हालांकि किसी की जान नहीं गई, जो राहत की बात है। लेकिन फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आग लगने के संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट या केमिकल रिएक्शन के कारण लगी हो सकती है, लेकिन इस पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

## शेख हसीना के भारत में रहने को लेकर बोले कांग्रेस नेता- अनुमति तब तक की दें जब तक वे रहना चाहें

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से अपील की है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में तब तक रहने की अनुमति दे दी जानी चाहिए, जब तक कि वे रहना चाहती हैं। इसके साथ ही अय्यर ने कहा कि शेख हसीना ने भारत के लिए भी बहुत अच्छा काम किया है और उन्हें भारत में शरण देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के चलते उन्हें अचानक देश छोड़ भारत अना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यूनुस सरकार ने शेख हसीना के पासपोर्ट को रद्द करने का ऐलान किया तो वहीं भारत सरकार ने हाल ही में उनके वीजा की अवधि को बढ़ाने की जानकारी दे दी है। ऐसे में कांग्रेस नेता अय्यर का बयान खास मायने रखता है, जिसमें उन्होंने कहा है कि शेख हसीना ने भारत देश के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमें उन्हें तब तक भारत में रहने की अनुमति दे देनी चाहिए, जब तक कि वे यहां रहना चाहें, फिर चाहे उनका पूरा जीवन ही क्यों न हो। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने भारत और बांग्लादेश के बीच संवाद बनाए रखने और रिश्तों को मजबूती प्रदान करने पर भी जोर दिया है।

### पाकिस्तान पर बोले- विभाजन एक हादसा

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान और भारत के लोग तो एक समान ही हैं। बस विभाजन रुपी हादसा था, जिसने हमें अलग कर दिया। इसी बीच उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा और कहा कि यह सरकार सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस तो दिखा सकती है, लेकिन पाकिस्तान से बातचीत करने की हिम्मत नहीं दिखाती। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को स्थायी दुश्मन मानना आत्मघाती होगा, संवाद तो बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान आतंक का शिकार हो रहा है और तालिबानियों ने स्थिति बिगाड़ दी है।

# बीपीएससी परीक्षा को लेकर छात्रों ने कराया बिहार बंद, कई जगह आगजनी और चक्काजाम

### -सांसद पप्पू यादव ने बंद का समर्थन करने विपक्षी पार्टियों को किया आमंत्रित

**पटना (एजेंसी)**। बिहार से पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बीपीएससी 70वीं पीटी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर रविवार को बिहार बंद का रखा गया। पटना, मधेपुरा और कटिहार में इसका असर दिखा। छात्र युवा शक्ति संगठन के सदस्य बीपीएससी की दोबारा परीक्षा को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पप्पू यादव भी बिहार बंद को समर्थन दे रहे हैं और इसे सफल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

इधर छात्र युवा शक्ति के बैनर तले शहीद चौक पर जुटे समर्थकों ने सड़क जाम कर दी। पप्पू यादव ने बंद का समर्थन करने के लिए सभी विपक्षी पार्टियों को आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि बिहार बंद में अगर तेजस्वी यादव शामिल होते हैं तो उनके नेतृत्व में हम चलने को तैयार हैं। बिहार में बीपीएससी परीक्षा की कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन दिन ब दिन जोर पकड़ता ही रहा है। बिहार के पटना में रविवार को बीपीएससी री- एग्जाम और बहाली परीक्षाओं में गड़बड़ी की जांच को लेकर छात्रों का प्रदर्शन जारी है। पटना में जगह-जगह पर बीच सड़क पर छात्र आगजनी कर यातायात को बाधित कर रहे हैं। साथ ही छात्रों ने पटना के अशोक राजपथ पर हंगामा किया और आगजनी की। इस बंद का भीम आर्मी और औवेशी की पार्टी ने समर्थन किया है।

बता दें कि बिहार में बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा विवाद के बीच 4 जनवरी को 12 हजार अभ्यर्थियों के लिए री-एग्जाम आयोजित हुआ। करीब 12 हजार अभ्यर्थियों के लिए 22 परीक्षा सेंटर पर री-एग्जाम संपन्न हुआ। अब आयोग जल्द ही प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित करने की तैयारी कर रहा है। दरअसल, 13 दिसंबर को बिहार के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर छात्रों को पेपर देरी से मिला था और पेपर की सील पहले से खुली हुई थी। इससे पहले भी पटना में छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल ने छात्रों और उनके संगठनों के आक्रोश को और बढ़ा दिया है। छात्रों का कहना है कि सरकार उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे। अब तक सरकार की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। छात्रों और विपक्षी दलों का कहना है कि उनकी मांगें नहीं मानी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

# यह कह गडकरी और कंगना ने खासदार क्रीड़ा महोत्सव 2025 का किया उद्घाटन

**नागपुर (एजेंसी)**। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और अभिनेतत्री से भाजपा सांसद बनीं कंगना रनौत ने महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को खासदार क्रीड़ा महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गडकरी ने कहा कि खेल महोत्सव का आनंद लेना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसी दौरान जहां प्रतिभागियों की सराहना की वहीं उन्होंने कहा कि हमने इस साल सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मुझे खुशी है कि यह आयोजन अपने सातवें साल में होने जा रहा है। इस मौके पर हम सभी को खेल महोत्सव का आनंद लेना चाहिए। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने खासदार क्रीड़ा महोत्सव 2025 में सुबह-सुबह हिस्सा लेने पहुंचे नागपुरवासियों की प्रशंसा की और उनके उत्साह की सराहना की। कंगना ने कहा, कि लोग सुबह-सुबह यहां आए हैं, इससे साबित होता है कि नागपुर एक उत्साही शहर है और यहां के लोग उत्साह से भरे हुए हैं।

इस अवसर पर कंगना ने मीडिया से भी बातचीत की और कहा कि नागपुर में खेल और शारीरिक गतिविधि के लिए जो ऊर्जा और उत्साह है, मेरा मानना है कि अन्य शहरों और गांवों को भी इससे सबक लेते हुए इसे अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ रहने के बारे में यह उत्साह और जागरूकता वाकई उल्लेखनीय है। कंगना ने उत्साहित होते हुए कहा कि हमने भी इसमें हिस्सा लिया, इसमें बहुत आनंद आया।

इस मौके पर कंगना रनौत ने अपनी अपकमिग फिल्म इमरजेंसी के बारे में भी बात की और बताया कि यह पहला अवसर था जबकि हमारी फिल्म की स्क्रीनिंग नागपुर में हुई। इसी बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उक्त फिल्म की तारीफ की और इसे बेहतरीन तथा प्रामाणिक बताया। उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि संपूर्ण देश इस फिल्म को देखे। इस फिल्म की रिलीज डेट 17 जनवरी है।

# उद्धव ठाकरे ने 2019 में हमें धोखा दिया- गृह मंत्री अमित शाह

**शिरडी (एजेंसी)**। उद्धव ठाकरे धोखा देकर मुख्यमंत्री बने। उद्धव ठाकरे ने 2019 में हमें धोखा दिया था। उन्होंने 2019 में बालासाहेब ठाकरे के विचारों को त्याग दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महा विकास अघाड़ी के प्रमुख नेताओं की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र ने शरद पवार की राजनीति को भी जमीन में दफन कर दिया है। वह शिरडी में भाजपा के राज्य स्तरीय सम्मेलन में बोल रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर कड़ा निशाना साधा। इस बैठक में अमित शाह ने कहा, देवेंद्र फडणवीस दोबारा मुख्यमंत्री बन गए हैं। कई विधायक मंत्री बन गये। असली शिवसेना और असली एनसीपी भी जीत गई। शरद पवार ने छल और कपट की राजनीति की। लोगों ने उन्हें 20 फीट जमीन के नीचे दफनाने का काम किया। उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों को त्याग दिया। लोगों ने उन्हें भी उनकी जगह दिखा दी। लोगों ने स्थिर सत्ता देने का काम किया है। उनका सपना लोकसभा के बाद विधानसभा में जीत हासिल करना था। लेकिन उनका सपना टूट गया। यह हमारी महान विजय है। इस जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है। गृह मंत्री ने आगे कहा, इस देश में विचारधारा की राजनीति चल रही है। लोगों ने परिवारवाद की राजनीति करने वालों को नकार दिया है। अमित शाह ने आगे कहा, महाराष्ट्र के लोगों ने साबित कर दिया है कि वे हिंदू और सनातन विचारधाराओं में विश्वास करते हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। इस साल हरियाणा में हम तीसरी बार जीते। आंध्र प्रदेश में एनडीए की जीत हुई। उड़ीसा में भी बहुमत की सरकार बनी। सिक्किम में भी हम जीते। हम महाराष्ट्र में भी जीते।

# महाकुंभ आज से शुरू, यहां जानें पहले शाही स्नान का शुभ मुहूर्त और महत्व

**प्रयागराज (एजेंसी)**। प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत 13 जनवरी सोमबार से हो रही है। महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि के दिन 26 फरवरी को होगा। धार्मिक आस्था का केंद्र महाकुंभ मेले का महत्व ज्योतिषीय आधार पर भी है। यही कारण है कि महाकुंभ मेले में देश-विदेश से लाखों लोग सम्मिलित होने आते हैं।

महाकुंभ मेले में धार्मिक आस्था और संस्कृति का एक अनूठा संगम होता है। यही कारण है कि प्रयागराज में इन दिनों भारत के कोने-कोने से लोग तो आते ही हैं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग शरीक होते हैं। मेले का यह आयोजन सभी समुदाय के लोगों को आकर्षित करता है। इस विश्वव्यापी महाकुंभ मेले की शुरुआत 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरुआत हो रही है। कुंभ का महत्व इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह 12 साल में महज एक बार ही आता है, जिसका आयोजन भारत के चार प्राचीन शहरों हरिद्वार, नासिक, प्रयागराज और उज्जैन में किया जाता है। प्रयागराज संगम के पवित्र जल में महाकुंभ के स्नान और पूजा-अर्चना का सबसे बड़ा अवसर होता है। धार्मिक मान्यताओं और आस्था के अनुसार कुंभ मेले में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मन व मस्तिष्क में दबी कुंठाओं से छुटकारा मिल जाता है।

### समुद्र मंथन और कुंभ

मान्यतानुसार समुद्र मंथन से निकले अमृत को पाने के लिए देवताओं और राक्षसों के बीच 12 वर्षों तक युद्ध चला था। इस युद्ध के दौरान अमृत कलश से जिन स्थलों पर अमृत की बूंदें गिरीं वहां कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। युद्ध 12 वर्षों तक चलने के कारण ही कुंभ भी हर 12 वर्ष में एक बार आता है।

### स्नान का समय

महाकुंभ का पहला शाही स्नान पूर्णिमा के शुभ अवसर पर होना बताया गया है। हिंदू पंचांग के मुताबिक पूर्णिमा तिथि 13 जनवरी यानी सोमबार सुबह 5.3 बजे पर होगी और समापन तिथि 14 जनवरी मंगलवार अर्धरात्रि 3.56 पर होगा।

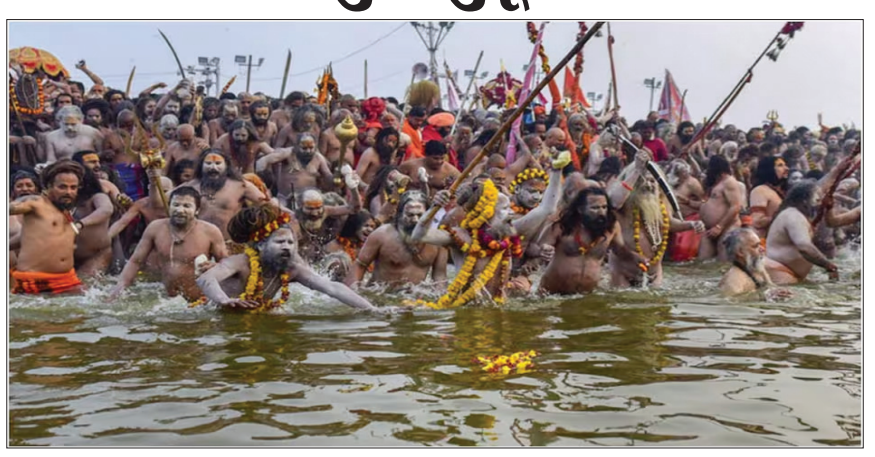

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### चीन में स्कूली छात्र की मौत से गुस्साए लोग पुलिस से भिड़े

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन में जहां सरकार की सख्ती के चलते विरोध-प्रदर्शनों को होने ही नहीं दिया जाता, वहीं उत्तर-पश्चिमी शानक्सी प्रांत में एक स्कूल के बाहर प्रदर्शनकारियों व पुलिस में भिड़ंत हो गई। प्रदर्शनकारी छात्र डांग (17) की मौत से गुस्साए थे। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आने से पूरा मामला उजागर हुआ। पुलिस ने जैसे ही प्रदर्शनकारियों को रोका, लोगों का एक समूह पुलिस से भिड़ गया। पुलिस का दावा था कि छात्र की मौत इमारत से गिरने के चलते हुए जबकि परिजनों ने कहा, पुलिस फुटेज व साक्ष्य छिपा रही है।

### राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को ओवल ऑफिस से देंगे विदाई भाषण

**वाशिंगटन, एजेंसी।** राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को ओवल ऑफिस से अपना विदाई भाषण देंगे, जो उनके शपथ ग्रहण से पांच दिन पहले होगा। यह भाषण 8 बजे पूर्वी समय पर होगा और यह बिडेन का अमेरिकियों और दुनिया से बात करने का आखिरी बड़ा मौका होगा, जब वह 20 जनवरी को पद छोड़ने से पहले राष्ट्र को संबोधित करेंगे। बाइडन के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने शुक्रवार को कहा कि बाइडन अपने 50 साल के सार्वजनिक सेवा करियर पर विचार करेंगे और इसके साथ ही भविष्य के बारे में कुछ विचार साझा करेंगे। उनका भाषण देश के सामने अमेरिका के नेतृत्व की दिशा और वैश्विक मुद्दों पर आधारित होगा।

### उत्तरी बेनिन में उग्रवादियों के हमले से बेनिन सेना को भारी नुकसान

**पोर्टो-नोवो, एजेंसी।** उत्तरी बेनिन में उग्रवादियों के हमले से बेनिन की सेना को भारी नुकसान होने की खबर सामने आ रही है। मामले में अधिकारियों ने बताया कि इस हफ्ते बेनिन के उत्तर में एक सैन्य चौकी पर हुए हमले में उग्रवादियों ने सशस्त्र बलों को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इस हमले से पश्चिम अफ्रीका के तटीय देशों में जिहादी गतिविधियों के फैलने की चिंता बढ़ गई है। नेशनल गार्ड के चीफ कर्नल फैजो गोमिना ने कहा कि यह हमला बुधवार को हुआ और हमलावरों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने हमले में हुए नुकसान के बारे में भी कुछ नहीं बताया, लेकिन कहा कि वे हार नहीं मानेंगे। हालांकि किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन बेनिन पहले से ही अपने उत्तर में स्थित बुर्किना फासो और नाइजर जैसे देशों से इस्लामी चरमपंथी समूहों से संघर्ष कर रहा है। ये उग्रवादी सीमा पार हमलों के लिए एक बड़े राष्ट्रीय उद्यान का इस्तेमाल करते हैं, जो तीन देशों में फैला हुआ है।

### पूर्वी कांगो में नए विद्रोही हमलों से 100,000 से अधिक लोग विस्थापित

**मासीसी, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी कांगो में नए विद्रोही हमलों के कारण इस साल की शुरुआत से अब तक 100,000 से अधिक लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं। एम23 विद्रोहियों ने सोमवार को मासीसी शहर पर कब्जा कर लिया, जिससे एक सप्ताह से भी कम समय में विद्रोहियों ने देश के पूर्वी हिस्से के दो महत्वपूर्ण शहरों पर कब्जा कर लिया और लोगों को सामूहिक रूप से पलायन करने पर मजबूर कर दिया। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अब तक विस्थापित होने वालों में 2.8 मिलियन लोग पहले से ही उत्तरी किवु प्रांत में विस्थापित थे, जो इस प्रांत की कुल आबादी का एक तिहाई से अधिक है। बता दें कि रू23, या मार्च 23 आंदोलन, तुत्सी जाति से बना एक उग्रवादी समूह है, जो कांगो की सेना से अलग होकर अस्तित्व में आया था। इस समूह ने 2012 में प्रमुखता हासिल की, जब इसके लड़ाकों ने रवांडा की सीमा पर स्थित कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा पर कब्जा कर लिया था।

### रूस के प्रतिबंधों से बचने वाला तेल टैंकर बाल्टिक सागर में बहा

**मास्को, एजेंसी।** रूस द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के प्रयास का हिस्सा माना जा रहा एक तेल टैंकर शुक्रवार को बह गया और उसे जर्मन टगबोट द्वारा खींचकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। यह घटना बाल्टिक सागर में हुई, जिसे जर्मनी के विदेश मंत्री ने सुरक्षा और पर्यटन के लिए खतरे के रूप में बताया। पनामा के झंडे वाला टैंकर इवेंटिन रूस से 99,000 टन तेल लेकर मिस्र जा रहा था, जब वह जर्मन द्वीप रुगेन के उत्तर में बहने लगा। मामले में जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के अनुसार, जहाज को एक ब्रेमेन फाइटर टगबोट ने बंदरगाह तक खींचा, और पर्यावरण के लिए कोई तत्काल खतरा नहीं था। ग्रीनपीस ने कहा कि इवेंटिन रूसी छाया बेड़े का हिस्सा है, जिसमें पुराने टैंकरों का उपयोग रूस द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के लिए किया जाता है।

### अमेरिका में भारतीय नागरिक ने बाल यौन शोषण सामग्री रखने का आरोप स्वीकार किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में भारत के एक नागरिक ने बाल यौन शोषण सामग्री रखने के आरोप स्वीकार कर लिए हैं। एक वकील ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी अब्दुल रऊफ शेख को अधिकतम 20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई जा सकती है और 250,000 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अदालती दस्तावेजों के अनुसार शेख पहले 'कार्निवल क्रूज लाइन्स' नामक कंपनी में कार्यरत था। अमेरिकी आंतरिक सुरक्षा विभाग के विशेष एजेंटों को न्यू ऑरलीन्स के एराटो स्ट्रीट क्रूज टर्मिनल में शेख के पास बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री मिली थी, जिसके बाद उसे जुलाई 2024 में गिरफ्तार कर लिया गया था।

# ग्रीनलैंडवासियों ने देश कब्जाने के ट्रंप के प्रयासों पर जताई नाराजगी, कहा- हम बिकाऊ नहीं

**नुउक, एजेंसी।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कब्जे वाली बात पर वहां के नागरिकों में जबरदस्त नाराजगी देखने को मिल रही है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बी. एगेडे ने शांति और एकता की अपील करते हुए कहा कि उनका देश अमेरिका का हिस्सा बनने की इच्छा नहीं रखता है।

**डोनाल्ड ट्रंप जूनियर का ग्रीनलैंड दौरा :** बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वह ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए टैरिफ या सैन्य बल का इस्तेमाल कर सकते हैं और ये बात ज्यादा प्रकाश में तब आ गई जब ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ग्रीनलैंड पहुंचे और वहां के लोगों से मिले। साथ ही उन्होंने वहां मेक अमेरिका ग्रेट अगेन लिखी हुई कैप्स भी बांटीं और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस बात पर ग्रीनलैंड के लोगों ने नाराजगी जताते हुए इसे रिश्वत देने जैसा बताया।

**ग्रीनलैंडवासियों की नाराजगी :** ट्रंप के देश कब्जाने वाली बात को लेकर ग्रीनलैंड के लोगों में लोगों में बड़ी नाराजगी देखने को मिल रही है। जहां एक तरह ग्रीनलैंड एक छात्र ने गार्जियन को बताया कि हमारे देश को अमेरिकी नेतृत्व की जरूरत नहीं है। जब ग्रीनलैंड सरकार ने मजबूती के साथ कहा कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है तब मुझे थोड़ी राहत

मिली। छात्र ने कहा कि मैं हमारे ग्रीनलैंड की स्वतंत्रता का पूरी तरीके से समर्थन करता हूं। साथ ही सिसिमियट नामक एक नागरिक गार्जियन से कहा कि मैं कभी भी ट्रंप का समर्थन नहीं करूंगा। और औपनिवेशिक काल में अमेरिकी लोगों ने मूल अमेरिकियों के साथ जो किया मैं उसका भी कभी समर्थन नहीं करूंगा।

**ग्रीनलैंड के पीएम का जवाब :** ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप के नजरिए पर शुक्रवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बी. एगेडे ने कहा कि उनका देश अमेरिका का हिस्सा बनने की इच्छा नहीं रखता, लेकिन वे इस बात को समझते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड में रुचि होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड वाशिंगटन के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है, लेकिन ग्रीनलैंड के लोग अपनी स्वतंत्रता चाहते हैं और डेनमार्क या अमेरिका का हिस्सा नहीं बनना चाहते।

**यूरोप और डेनमार्क में बढ़ी चिंता :** डोनाल्ड ट्रंप के लगातार ग्रीनलैंड को लेकर दिए जा रहे बयान से डेनमार्क और यूरोप में चिंता पैदा कर दी है। हालांकि, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अमेरिका का ग्रीनलैंड में रुचि दिखाना एक सकारात्मक पहलू है और दोनों देशों के बीच सहयोग मजबूत बनाए रखने के लिए वे पूरी कोशिश करेंगे।

**ग्रीनलैंड पर कब्जा, ट्रंप का पुराना सपना :** देखा जाए तो ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाना डोनाल्ड ट्रंप का आज का सपना नहीं है। ये बात 2019 से चली आ रही है जब उन्होंने इसे एक रियल स्टेट सौदा बताया था। गौरतलब है कि ग्रीनलैंड अभी डेनमार्क के तहत एक स्वतंत्र राज्य है और इसकी रणनीतिक स्थिति के कारण इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय ध्यान है। बता दें कि 1945 में अमेरिका ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लिया था लेकिन बाद में इसे डेनमार्क को वापस कर दिया। हालांकि आज भी ग्रीनलैंड के उत्तर-पश्चिम में एक अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है।

### निकोलस मादुरो ने ली वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद की शपथ

**काराकास , एजेंसी।** निकोलस मादुरो ने शुक्रवार को वेनेजुएला के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण समारोह में क्यूबा, निकारागुआ के राष्ट्रपति शामिल हुए। मादुरो 2013 से राष्ट्रपति हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मादुरो ने शुक्रवार वेनेजुएला की राष्ट्रीय असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रॉड्रिग्ज के सामने शपथ ली। इस दौरान उन्होंने वेनेजुएला में शांति, समृद्धि, समानता और नए लोकतंत्र सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति के रूप में तीसरी बार शपथ लेने के बाद मादुरो ने कहा, मैं इतिहास और अपने जीवन की कसम खाता हूं कि मैं अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा। इसके बाद उन्हें राष्ट्रपति की पट्टी और ऑर्डर ऑफ द लिबरेटर्स मिला, जो वेनेजुएला में राष्ट्रपति के अधिकार का प्रतीक है। मादुरो ने शपथ के बाद अपने भाषण में एक प्रमुख संवैधानिक सुधार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए व्यापक वार्ता प्रक्रिया का आह्वान किया। उनके मुताबिक ये वेनेजुएला को और लोकतांत्रिक बनाएगा। उन्होंने कहा, इस सुधार का उद्देश्य नई अर्थव्यवस्था और समाज के आधार पर संविधान के सिद्धांतों को अप-टू-डेट करना और देश को नए तकनीकी खतरों से बचाना है।

## फैक्ट चेकिंग प्रोग्राम बंद करने पर ब्राजील सरकार का मेटा को नोटिस

**ब्रासिलिया, एजेंसी।** ब्राजील की संघीय सरकार ने गुरुवार को मेटा (जो फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का मालिक है) को एक कानूनी नोटिस जारी किया है। इसमें यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि आखिर मेटा अपने प्लेटफार्मों पर नफरत भरे भाषण और गलत जानकारी को रोकने के लिए फैक्ट-चेकिंग के अपने अभ्यास को क्यों खत्म कर रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने मेटा को स्पष्टीकरण देने के लिए 72 घंटे का समय दिया है। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि ब्राजील में बच्चों और किशोरों, संवेदनशील जनसंख्या और व्यापारिक माहौल की रक्षा के लिए सख्त कानून हैं और हम इन मंचों को डिजिटल हिंसा या बर्बरता में तब्दील होने की अनुमति नहीं देंगे।

**वित्त मंत्री का फर्जी वीडियो हटाने का आदेश :** इसके साथ ही नोटिस में गुरुवार को पोस्ट की गई फर्जी वीडियो को हटाने का भी आदेश दिया गया। दरअसल, वीडियो में ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद से संबंधित एक झूठी टिप्पणी को एआई द्वारा संशोधित किया गया था, जिसमें जानवरों पर प्रस्तावित कर को लेकर गलत बातें की गई थीं।

**मेटा ने क्यों हटाई फैक्ट-चेकिंग :** मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने हाल ही में बताया था कि वह अपने फैक्ट चेक प्रोग्राम को 'कम्युनिटी नोट्स' प्रोग्राम से बदल रहे हैं। बता दें कि प्रोग्राम ये एलन मस्क के माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मॉडल के समान है। थर्ड पार्टी फैक्ट चेक प्रोग्राम को हटाने की शुरुआत संयुक्त राज्य अमेरिका से होगी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा ने कहाथा कि उसने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि एक्सपर्ट फैक्ट चेकर की अपनी कुछ कमियां हैं और वे किसी एक पक्ष की तरफ हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कारण बहुत अधिक कंटेंट फैक्ट चेकिंग के दायरे में आ जाते हैं।

**अधिकारों का पालन करने की दी चेतावनी :** अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने मेटा को चेतावनी दी कि उसे ब्राजील के संविधान और बुनियादी अधिकारों का पालन करना चाहिए। यह कदम ब्राजील सरकार के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को गलत जानकारी और हानिकारक सामग्री फैलाने के लिए जिम्मेदार ठहराने के प्रयासों का हिस्सा है।

### पाकिस्तानः क्वेटा में खदान विस्फोट में चार लोगों की मौत, कई फंसे

**क्वेटा , एजेंसी।** बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा के संजदी इलाके में एक कोयला खदान में गैस विस्फोट के कारण चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग अंदर फंस गए. फंसे लोगों को बचाने का प्रयास अभी भी जारी हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बचाव अभियान 27 घंटे से अधिक समय से चल रहा है. जानकारी के अनुसार खदान में अधिकारी भी फंसे हुए हैं. प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने पुष्टि की है कि खदान से तीन और शव बरामद किए गए हैं, जिससे बरामद शवों की कुल संख्या चार हो गई है. यह घटना बृहस्पतिवार को करीब 4 बजे हुई. गैस विस्फोट के चलते कोयला खदान का एक हिस्सा ढह गया. इस दौरान वहां काम कर रहे करी 12 मजजूर इसके अंदर फंस गए. माना जा रहा है कि फंसे हुए मजदूर लगभग 4,300 फीट नीचे हैं. अब तक बरामद शव 3,000 फीट गहराई में पाए गए. बचाव दल खनिकों तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने में जुटे हैं. गैस की मौजूदगी और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के कारण ये ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण है. इसमें स्थानीय मजदूर बचावकर्मियों की की सहायता कर रहे हैं. मार्च 2024 में इसी तरह की घटना हुई थी जब बलूचिस्तान के हरनाई में एक कोयला खदान में 18 मजदूर फंस गए थे. बचाव दल ने 12 शवों को सफलतापूर्वक निकाला, और छह मजदूरों को घायल अवस्था में बचाया गया।

# अमेरिका-जापान ने रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए

## 2 भारतीय कंपनियों पर भी बैन ; कच्चे तेल की कीमत 3प्रतिशत बढ़कर 80 डॉलर बैरल पार

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और जापान ने शुक्रवार को रूस के खिलाफ एक्शन लेते हुए कई नए प्रतिबंधों का ऐलान किया। रॉयटर्स के मुताबिक अमेरिका ने रूस की 200 से ज्यादा कंपनियों और 180 से ज्यादा जहाजों पर बैन लगा दिया। अमेरिका ने दो भारतीय कंपनियां स्काईहार्ट मैनेजमेंट सर्विसेज और एविजन मैनेजमेंट सर्विसेज भी बैन लगाया हैं। बाइडेन सरकार का कहना है कि इन भारतीय कंपनियों ने रूस से एलएनजी का ट्रांसपोर्ट किया था, जो अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन है। वही जापान ने कई रूसी नागरिकों को कंपनियों की संपत्तियों को जब्त कर लिया है। इस अलावा जापान ने कई ऐसे संगठनों के खिलाफ भी प्रतिबंध का ऐलान किया है, जिन्होंने पहले लगाए गए प्रतिबंधों से बचने में रूस की मदद की थी। अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से क्रूड ऑयल की कीमतें 3 प्रतिशत तक का बढ़ गई। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई। इन प्रतिबंधों की वजह से अब भारत और चीन का रूस से ऑयल एक्सपोर्ट करने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

**रूस की एनर्जी रिसोर्स इनकम घटाने की कोशिश :** अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन का कहना है कि रूस के खिलाफ की गई यह कार्रवाई उसकी एनर्जी रिसोर्स से होने वाली इनकम को सीमित कर देगा। इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

**जापान ने नॉर्थ कोरिया और जॉर्जिया के बैन पर भी लगाए बैन :** जापान सरकार ने बयान जारी

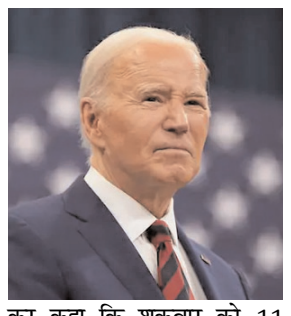

कर कहा कि शुक्रवार को 11 व्यक्तियों, 29 संगठनों और रूस के तीन बैंकों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके अलावा रूस की मदद करने की वजह से नॉर्थ कोरिया और जॉर्जिया के एक बैंक के खिलाफ भी एक्शन लिया गया है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि यह प्रतिबंध यूक्रेन के लिए हमारी मदद की प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

**रूस बोला- ट्रम्प के लिए हालात मुश्किल बना रहे बाइडेन :** अमेरिकी प्रतिबंधों की घोषणा से कुछ देर पहले ही क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति ऑफिस) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन आने वाली ट्रम्प गवर्नमेंट की चीजों को मुश्किल बनाने की कोशिश में जुटा हुआ है। पेसकोव ने कहा- हम जानते हैं कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन जाते जाते ट्रम्प के लिए एक मुश्किल विरासत छोड़ने की कोशिश करेगा।

**60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे जा सकती है रूसी तेल की कीमत :** 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद भारत और चीन रूसी क्रूड ऑयल के सबसे बड़े आयातक बन गए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, भारतीय रिफाइनरीज रूस के प्रतिबंधित जहाजों का इस्तेमाल करने से बचेंगे, जिससे रूसी तेल की कीमतों में और गिरावट आने की संभावना है। एक भारतीय रिफाइनिंग सोर्स ने रॉयटर्स को बताया कि नए प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की कीमतें 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे जा सकती हैं। रूस वैश्विक तेल उत्पादन में 10प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। अमेरिका के इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर दलीप सिंह ने कहा कि कुछ लोग पूछेंगे कि हमने रूसी ऑयल पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रशासन के अंत का इंतजार क्यों किया? इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें कॉस्ट फ्री होना चाहिए। प्रतिबंध कभी भी कॉस्ट फ्री नहीं होते, लेकिन सफल होने के लिए उन्हें अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के मुकाबले उनका लक्ष्य वही होना चाहिए जिस वजह से उन्हें लागू किया गया है।

# गाजा : इजरायली हमलों में पत्रकार समेत 22 की मौत, संचार सेवा ठप होने का बढ़ा खतरा

**गाजा , एजेंसी।** इजरायली हवाई हमलों में एक पत्रकार सहित करीब 22 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। ईंधन की कमी के कारण गाजा में संचार व्यवस्था ठप होने का खतरा भी बढ़ गया है। गाजा में सिविल डिफेंस के अनुसार, शुजाय्या इलाके के एक घर को निशाना बनाकर हवाई हमला किया गया। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि मध्य गाजा में अल-बुरीज शरणार्थी शिविर पर हवाई हमले में सात लोग मारे गए। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में नासेर अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि शहर में कई स्थानों पर हुए हवाई हमलों के बाद चार शव बरामद किए गए। मध्य गाजा के अल-नुसेरात में अल-अवदा अस्पताल की ओर से बताया गया कि गोलाबारी और ड्रोन हमलों में अल-गाद टीवी के पत्रकार सईद नभान सहित तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। गाजा स्थित सरकारी मीडिया कार्यालय के अनुसार, नभान की मृत्यु के साथ, 7 अक्टूबर 2023 को संघर्ष शुरू होने के बाद से मारे गए पत्रकारों की संख्या बढ़कर 203 हो गई है। गाजा के संचार और

डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्री अब्दुल रज्जाक अल-नतशा ने चेतावनी दी कि ईंधन की कमी के कारण शुक्रवार रात तक इंटरनेट और लैंडलाइन सहित संचार सेवाएं बंद हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईंधन आपूर्ति पर इजरायल की नाकाबंदी का असर पड़ा है। जिससे आपातकालीन सेवाओं के बाधित होने होने का खतरा है। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमास के नेतृत्व वाले हमले के बाद संघर्ष शुरू हुआ, जिसमें 1,200 से अधिक इजरायली मारे गए और लगभग 250 बंधक बनाए गए। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा में इजरायल की बड़े पैमाने पर सैन्य प्रतिक्रिया के कारण 46,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान में एक इजरायली हवाई हमले में पांच लोग मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने शुक्रवार को पांच शवों की बरामदगी की घोषणा की, जिसके बारे में उसने कहा कि वे दक्षिणी लेबनान के पूर्व में स्थित लेबनानी शहर खियाम पर हाल ही में इजरायली हमलों के दौरान मारे गए थे।

# ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भी उनकी कंपनी विदेश में कर सकेगी व्यापार, नैतिक समझौते को लेकर उठे सवाल

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार ने शुक्रवार को स्वैच्छिक तौर पर एक नैतिक समझौता जारी किया। इस समझौते के तहत डोनाल्ड ट्रंप अपनी कंपनी ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन के मामलों में शामिल नहीं होंगे ताकि ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए हितों का टकराव न हो। साथ ही इस नैतिक समझौते के तहत ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन विदेशी निजी कंपनियों के साथ व्यापार सौदे कर सकेगी। हालांकि ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन सीधे तौर पर विदेशी सरकारों के साथ सौदे नहीं कर सकेगी।

**नैतिकता समझौते में क्या हैं प्रावधान :** गौरतलब है कि साल 2016 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप परिवार ने ऐसा ही एक नैतिकता श्वेत पत्र जारी किया था। हालांकि पिछले नैतिकता श्वेत पत्र में ट्रंप की कंपनी को विदेशी सरकारों के साथ ही विदेशी कंपनियों के साथ भी व्यापार पर रोक का प्रावधान है। इस बार नैतिकता समझौते में बदलाव किया गया है और ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन को विदेशी कंपनियों के साथ व्यापार की छूट दी गई है। ट्रम्प की कंपनी की तरफ से यह घोषणा भी की गई है कि वह पहले कार्यकाल की तरह सौदों की जांच करने के लिए एक नैतिक सलाहकार की नियुक्ति करेगी। ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन ने हाल ही में वियतनाम, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में होटल और गोल्फ रिसॉर्ट के लिए सौदे किए हैं, जिस पर सरकारी नैतिकता विशेषज्ञों और निगरानीकर्ताओं ने चिंता जाहिर की है। नैतिकता विशेषज्ञों को चिंता है कि ट्रम्प के व्यक्तिगत वित्तीय हित उन देशों के प्रति अमेरिका की नीति को प्रभावित कर सकते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन में पिछले कार्यकाल की तुलना में भ्रष्टाचार का पैमाना ज्यादा बड़ा होगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी कानून के तहत, संघीय सरकार के अधिकारियों को ऐसे व्यवसायों में वित्तीय हित रखने की अनुमति नहीं है जो सार्वजनिक नीति पर उनके विचार को प्रभावित कर सकते हैं। अक्सर अधिकारियों को हितों के टकराव से बचने के लिए अपने शेयर बेचने के लिए मजबूर किया जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपतियों को नैतिकता प्रतिबंध से बाहर रखा गया है, लेकिन ट्रम्प को छोड़कर अन्य सभी राष्ट्रपतियों ने स्वेच्छा से कानून का पालन किया है। अपने पहले कार्यकाल में, ट्रम्प ने अपने राष्ट्रपति पद की शुरुआत में हितों के टकराव की उपस्थिति से बचने का वचन दिया, लेकिन उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी संपत्तियों के लिए खुले तौर पर व्यवसाय को बढ़ावा दिया। उन्होंने एक बार फ्लोरिडा के डोरल में अपने गोल्फ रिसॉर्ट में वैश्विक नेताओं की जी-7 बैठक आयोजित करने की कोशिश की थी। हालांकि आलोचना के बाद उन्हें यह विचार त्यागना पड़ा। ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन के पास भारत, तुर्की और कई अन्य देशों में ट्रम्प के नाम वाली इमारतें भी हैं।

# पनामा नहर प्रशासक ने चीनी हस्तक्षेप के दावे खारिज किए

**पनामा, एजेंसी।** डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद से दुनियाभर में पनामा नहर का मामला चर्चा में है। अब पनामा नहर के प्रशासक ने साफ कर दिया है कि पनामा नहर के अमेरिका कब्जे में जाने की कोई संभावना नहीं है और नहर का प्रशासन पनामा के हाथों में ही रहेगा। साथ ही उन्होंने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि चीन नहर के संचालन को नियंत्रित कर रहा है। पनामा के नहर के प्रशासक रिकौर्टे वास्केज ने कहा कि पनामा नहर सभी देशों के लिए खुली रहेगी।

**चीन के नियंत्रण के दावे खारिज किए :** रिकौर्टे वास्केज ने नहर पर चीन के नियंत्रण के दावों पर कहा कि नहर के दोनों छोर पर बंदरगाहों में काम करने वाली चीनी कंपनियां हांगकांग की है और उन्होंने साल 1997 में बोली प्रक्रिया में यह अधिकार हासिल किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी और ताइवान की कंपनियां नहर के किनारे के अलावा अन्य बंदरगाहों का भी संचालन कर रही हैं। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि नहर का प्रशासन पनामा के हाथों में ही रहेगा।

**अमेरिका को पनामा नहर का नियंत्रण देने से इनकार :** अमेरिका के पनामा नहर पर कब्जा करने की आशंका पर वैस्केज ने कहा कि इस तरह की उम्मीद का कोई आधार नहीं है। मैं बस यही कह सकता हूँ। वैस्केज ने इस बात पर जोर दिया कि पनामा नहर सभी देशों के व्यापार के लिए खुली है। वैस्केज ने कहा कि तटस्थता संधि के कारण पनामा नहर प्रशासन अमेरिकी ध्वज वाले जहाजों को विशेष सुविधा नहीं दे सकता। स्थापित नियमों के तहत ही नहर का संचालन होगा। उन्होंने कहा कि नहर संचालन की प्रक्रिया

स्पष्ट है और इसमें मनमाने बदलाव नहीं हो सकते। पनामा और अमेरिका के बीच की संधि में एकमात्र अपवाद अमेरिकी युद्धपोतों को तुरंत मार्ग देने का नियम ही है।

**ज्यादा शुल्क के आरोपों को लेकर दी ये सफाई :** डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर पर लगने वाले शुल्क को बहुत ज्यादा बताया था। इस पर वैस्केज ने कहा कि शुल्क में कोई भेदभाव नहीं है। शुल्क बढ़ने पर वैस्केज ने कहा कि नहर अपने लॉक को संचालित करने के लिए जलाशयों पर निर्भर करती है, लेकिन पिछले दो वर्षों के दौरान सूखे से जलाशय बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। जिसके कारण जहाजों को पार करने के लिए दैनिक स्लॉट की संख्या में काफी कमी करनी पड़ी है। कम जहाजों की संख्या की वजह से प्रशासकों ने स्लॉट आरक्षित करने के लिए फीस बढ़ा दी है। पनामा नहर की वजह से जहाजों को केप हॉर्न के आसपास लंबी और महंगी यात्रा से मुक्ति मिलती है। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों पनामा नहर को लेकर कहा था कि अगर पनामा स्वीकार्य तरीके से पनामा नहर का प्रबंधन नहीं करता है तो फिर अमेरिका फिर से इस पर अपना कब्जा कर सकता है। उन्होंने कहा था कि हम पनामा नहर को गलत हाथों में नहीं जाने देंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झोपड़ी में चल रहा मिनी बार

# स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) और पुलिस ने झुग्गियों में चल रहे अवैध मिनी बार का भंडाफोड़-14 लोगों को गिरफ्तार,30 लोग फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) और पुलिस ने झुग्गियों में चल रहे अवैध मिनी बार का भंडाफोड़ किया। छापेमारी के दौरान 5646 अंग्रेजी शराब की बोतलें और देशी शराब बरामद हुई। इस कार्रवाई में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 30 लोग फरार हो गए।

पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। शराबबंदी वाले राज्य गुजरात में इस तरह का मामला गंभीर माना जाता है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब यहां तक कैसे पहुंची।

पुना इलाके में झुग्गी में चल रहे मिनी बार पर स्क्ष्ट ने छापा मारकर नशा कर रहे 14 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि 30 लोग फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से 5600 से अधिक अंग्रेजी शराब की बोतलें और देसी शराब का बड़ा जखीरा बरामद किया।

पुना के औद्योगिक क्षेत्र में इतनी बड़ी मात्रा में शराब पहुंचने और खुलेआम बिक्री चलने से स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के पुना गांव क्षेत्र के भाग्योदय इंडस्ट्रियल एरिया में ऑर्चिड टावर के पीछे स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस ने 5646 अंग्रेजी शराब की बोतलें जब्त कीं। इसके साथ ही 180 लीटर देसी शराब भी बरामद हुई। अंग्रेजी शराब की कीमत 9,49,476 रुपये बताई जा रही है, जबकि देसी शराब की कीमत 36,000 रुपये थी। कुल मिलाकर पुलिस ने 9.85 लाख रुपये की शराब जब्त की।

स्टेट मॉनिटरिंग सेल के इस छापे में पुलिस ने 9 वाहन, 15 मोबाइल फोन, 2 पेटीएम स्कैनर समेत कुल 13,10,000 रुपये का सामान जब्त किया। शराब का धंधा संभालने वाले सुधाकर उर्फ पिंटू और शराब बेचने वाले सुजीत यादव समेत कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हैरानी की बात यह रही कि मुख्य आरोपी को पैर में चोट लगी थी, जिससे वह चलने में असमर्थ था,

स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने जब शराब के अड्डे पर छापा मारा, तब वहां करीब 50 लोगों का समूह शराब का सेवन कर रहा था। छापेमारी होते ही अड्डे पर भगदड़ मच गई। हरे तिरपाल से ढके इस अड्डे में बर्फ, स्नैक्स और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई जा रही थीं। यहां टेबल लगाई गई थीं, जहां बैठकर शराब पी जा सकती थी। इसके अलावा मैदान में भी पीने की व्यवस्था की गई थी।

जैसे बार में बड़े फ्रिज में अलग-अलग ब्रांड की शराब रखी जाती है, वैसे ही इस बूटलेगर सुधाकर के अड्डे पर भी फ्रिज में अलग-अलग ब्रांड की शराब की बोतलें रखी गई थीं। पुलिस ने इस अड्डे से 5646 विभिन्न ब्रांड की बड़ी और छोटी विदेशी शराब की बोतलें जब्त कीं।

स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने शराब का जखीरा सप्लाई करने वाले और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की पहचान की है। इनमें शराब सप्लाई करने वाले मुकेश मारवाड़ी,देसी शराब बेचने वाले गणेश पाटिल, गोदाम से शराब सप्लाई करने वाले कालू यादव, और शराब लाने वाले भरत समेत कुल 12 लोगों को वॉन्टेड घोषित किया गया है।

पिछले पांच महीनों से शराब का अड्डा चलने की चर्चा सूत्रों के अनुसार, बूटलेगर सुधाकर ने पांच महीने पहले इस स्थान पर शराब का अड्डा शुरू किया था। गोडादरा और वराछा के बाद पुना इलाके में इस अड्डे को संचालित किया गया। कुछ समय पहले, इस शराब के अड्डे पर शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके चलते बूटलेगर ने शराब पीने आए व्यक्ति की पिटाई कर दी थी। इसके बाद, रात में पिटाई का शिकार व्यक्ति अपने साथियों के साथ लौटकर आया और इस अड्डे को जला दिया था।

इसके बावजूद, कुछ ही समय बाद बूटलेगर ने फिर से इस अड्डे को चालू कर दिया। लेकिन अब, स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने छापा मारकर पुना से बड़े पैमाने पर शराब का जखीरा जब्त कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अंततः सरकार के अधीन ले ली गई

# सूरत के मगोबनी 100 करोड़ की विवादित गौचर भूमि

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मगोब गांव में स्थित इस विवादित भूमि को मगोब गांव समिति के अधिकारियों ने अवैध रूप से बेचा दिया था। मगोब गांव ब्लॉक नं. 156 की भूमि जिसमें 12,748 वर्ग मीटर भूमि शामिल थी, को सरकार के लिए उपलब्ध करवाई गई थी। यह भूमि गौचर के लिए दी गई थी। यह भूमि ट्रस्ट के नाम से लंबे समय से चल रही थी। इसके बाद से यह भूमि नहर विभाग के तहत संपादित की गई थी, जहां 7,891 वर्ग मीटर भूमि नहर विभाग ने ली थी। बाकी के हिस्से का प्रबंधन मगोब गांव समिति द्वारा किया जा रहा था। जनवरी 2024 में समिति का नाम भी भूमि के दस्तावेज़ में दर्ज किया गया था।

हालांकि, ट्रस्ट के प्रमुख ने इस भूमि का अवैध रूप से सौदा किया था। केतनसिंह फतेसिंह गोहिल और महेश वीरम बारोट को 24 करोड़ रुपये में बेचा गया था। इस सौदे के लिए 1.70 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी भी अदा की गई थी। इस मामले की जांच सिटी प्रांत अधिकारी को सौंपी गई थी। सिटी प्रांत अधिकारी ने विस्तारपूर्वक जांच करके इस विवादित भूमि को सरकार के अधीन लेने का निर्णय लिया है। इसके परिणामस्वरूप, 3 जनवरी को भूमि के दस्तावेज़ में सरकार के नाम को दर्ज किया गया है।

तलवारधारी चोरों का आतंक

# कामरेज के शमपूरा में बंद मकान को बनाया निशाना, CCTV में कैद हुए चोर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कामरेज इलाके के शमपूरा गांव में तलवार से लैस चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया। चोरों ने रात के अंधेरे में मकान में सेंध लगाई और कीमती सामान चुरा लिया। पूरी घटना पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

वीडियो में देखा गया कि चोर तलवारें लेकर मकान में दाखिल हुए और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने सुरक्षा बढ़ाने और नियमित गश्त की मांग की है।

चोरों का यह गिरोह बाइक पर सवार होकर आया और खुलेआम हाथों में तलवारें लेकर एक बंद मकान में घुस गया। उन्होंने मकान से कीमती सामान चोरी किया और फरार हो गए।

इस घटना ने इलाके के लोगों में भय का माहौल बना दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और चोरों का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। स्थानीय निवासियों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

फुटेज में चोरों का गिरोह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जिसमें वे तलवारों के साथ बाइक पर आते हुए नजर आ रहे हैं। चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाया।

मकान मालिक शहर से बाहर गए हुए हैं, इसलिए चोरी गई रकम और सामान का सही आंकलन अभी तक नहीं हो पाया है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

अपराधी बेखौफ होकर हथियारों के साथ वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने पुलिस से पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की है।

रात के समय आग लगने से हड़कंप मच गया

# महिधरपुरा के झांपा बाजार में दो दुकानों और एक मकान में आग लग गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के झांपा बाजार इलाके में देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। महिधरपुरा इलाके में पुलिस स्टेशन के सामने आग की घटना होने से फायर विभाग तुरंत सक्रिय हो गया। तीन फायर स्टेशन की गाड़ियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना में दो दुकानें और एक मकान जलकर खाक हो गए हैं। सौभाग्यवश, इस पूरी घटना में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई।

झांपा बाजार इलाके में बहुत पुराने मकान स्थित हैं। महिधरपुरा में मकानों के नीचे कई दुकानें हैं, जिनमें ग्राउंड प्लस एक मंजिल वाले मकान में नीचे दो दुकानें थीं। रेडीमेड कपड़े और फुटवियर की दुकानें भी यहां अच्छी खासी मात्रा में स्टॉक के साथ थीं। पूरा मकान लकड़ी से बना था, जिस कारण आग लगते ही चंद मिनटों में दोनों दुकानें और पूरा मकान जलकर खाक हो गए। चंद मिनटों में ही आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। आग इतनी भयंकर थी कि धुएं के गुबार उड़ रहे थे। दुकानों के आसपास खड़े वाहन भी लोगों ने हटा दिए ताकि आग उनसे न फैल सके।

फायर ऑफिसर महेश पटेल ने बताया कि जहां आग लगी थी, वह बहुत जर्जर मकान था और नीचे दो दुकानें थीं। रेडीमेड और फुटवियर की दुकानों में आग लगने से पूरा घर जलकर खाक हो गया। घर लकड़ी से बना था, जिससे आग कुछ ही मिनटों में पूरी तरह से फैल गई। नवसारी बाजार, घांछी शेरी, महिधरपुरा फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं, साथ ही एक वाटर टैंकर कतारगाम से मंगवाया गया था। पूरा घर और दोनों दुकानें जलकर राख हो गईं। फिलहाल, आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चला है।

नवसारी नगर पालिका में वसूली दर 60 %

# 1.40 लाख संपत्ति धारकों से 14.84 करोड़ की वसूली, बाकी राशि के लिए 13 टीमें सक्रिय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी नगर पालिका ने संपत्ति कर वसूली में 60 प्रतिशत की दर से प्रगति की है। अब तक 1.40 लाख संपत्ति धारकों से 14.84 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। बाकी राशि वसूलने के लिए 13 टीमें सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

नवसारी महानगर पालिका ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए संपत्ति कर वसूली में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कुल 1.40 लाख संपत्ति धारकों से 24.64 करोड़ के कर मांगने के मुकाबले 31 दिसंबर तक 14.84 करोड की वसूली की गई है, जो कुल मांग का 60 प्रतिशत है।

महानगर पालिका के 13 वार्डों में 1.13 लाख आवासीय और 27 हजार व्यावसायिक संपत्तियां स्थित हैं। पिछले वर्ष 2023-24 में पालिका ने 72 प्रतिशत कर वसूली के साथ 20 करोड़ की आय दर्ज की थी। शेष कर वसूली के लिए प्रत्येक वार्ड में एक टीम बनाई गई है, कुल मिलाकर 13 टीमों का गठन किया गया है, जिसमें 60 कर्मचारियों को कार्य में लगाया गया है।

नवसारी-विदलपुर नगर पालिका को महानगर पालिका का दर्जा मिलने के बाद वर्तमान में कर वसूली का काम अस्थायी रूप से बंद है। नया लोगो तैयार होने के बाद आगामी सोमवार से वसूली का काम फिर से शुरू होगा। कर अधिकारी के अनुसार, पुराने दरों के अनुसार ही कर वसूला जाएगा और आगामी वित्तीय वर्ष से नए दर लागू होंगे। बकाएदारों के खिलाफ नोटिस जारी करने के अलावा, पानी और ड्रेनेज कनेक्शन काटने जैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे।

# पिता ने फोन छीनकर फटकार लगाई, 20 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक दुखद घटना में, एक 20 वर्षीय छात्रा ने अपने प्रेमी के साथ बात न करने देने पर आत्महत्या का प्रयास किया। युवती के पिता ने उसकी मोबाइल फोन छीनकर उसे डांट-फटकार दी थी, जिससे उसे बुरा लगा। इसके बाद, छात्रा ने घर में रखी आयरन की गोली निगल ली।

परिवार वालों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के बाद उसकी हालत स्थिर है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के प्रयास के कारणों की भी जांच कर रही है।

मांगरोल के कोसंबा टाउन में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां 20 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया। छात्रा अपने प्रेमी से फोन पर बात कर रही थी, तभी उसके पिता को इसका पता चला। इसके बाद उन्होंने उसे डांटा और मोबाइल फोन छीन लिया। छात्रा ने छोटी सी बात से नाराज होकर आयरन की गोलियां बड़ी मात्रा में खा ली थीं। उसकी तबियत बिगड़ने पर परिवार ने उसे तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां समय रहते इलाज मिलने से उसकी जान बच गई।

**प्रेमी के साथ बात न करने देने पर युवती ने आयरन की गोली निगली**

विद्यार्थी वर्तमान में IC में उपचाराधीन है और उसकी हालत स्थिर है। सूरत ग्रामीण Dy.SP आर.आर. सरवैय्या ने इस घटना पर कहा कि कोसांबा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। उन्होंने युवाओं से मोबाइल का अत्यधिक उपयोग न करने और सोशल मीडिया से दूर रहने की अपील की है। यह घटना सूरत जिले में माता-पिता के लिए चेतावनी बनी है।

# एनुअल डे फंक्शन का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,महाराज अग्रसेन भवन द्वारा संचालित महाराज अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल के एनुअल डे फंक्शन का आयोजन शनिवार को किया गया। आयोजन में विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, गीता ज्ञान, वसुधेव कुटंबकम, योगा और हेल्थ आदि अनेक विषयों पर नृत्य और नाटक द्वारा प्रस्तुति दीं। स्कूल के टीचर्स द्वारा भी स्टेज पर डांस की शानदार प्रस्तुति दी गयी।

एनुअल डे फंक्शन में मुख्य अतिथि के तौर पर ASP डॉक्टर संदीप (IPS) के अलावा स्कूल ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक टिबड़ेवाल, पूर्वअध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सचिव अजय अग्रवाल, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

आयोजन में महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल के होनहार एवं अचीवर्स विद्यार्थियों को पुरस्कार और ट्रॉफी दिए गये।

# खेल महाकुम्भ 3.0 का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विद्या विहार स्कूल, डिंडोली के परिसर में शनिवार को लिम्बायत जोन खेल महाकुम्भ 3.0 का आयोजन हुआ। इस आयोजन में चेस अंडर-14, अंडर-17 एवं ओपन श्रेणी, योगासन अंडर-14, अंडर-17 एवं ओपन श्रेणी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 16 विद्यालयों के अलावा ओपन श्रेणी के कुल 200 प्रतियोगी एवं 2 वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए।

स्कूल के अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभी प्रतियोगितों को शुभकामनाएँ दी। स्कूल के प्राचार्य केयूरकुमार वैध ने बताया की आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक हुआ।